

लोकतंत्र ध्वस्त करने पर आमादा सुप्रीम कोर्ट, जनता पूछ रही है सवाल

सुप्रीम कोर्ट को मस्जिदों के कागज की फिक्र, मंदिरों से मांगते हैं सबूत!

सुप्रीम कोर्ट के न्यायिक चरित्र का दोगलापन देश के आम लोगों को अब नागवार लग रहा है। अब देश के कोने-कोने से यह आवाज उठने लगी है कि न्यायालयों की अराजकता, भ्रष्टाचार और अनैतिकता पर

पता है कि वक्फ कानून लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों से पारित हुआ था? सुप्रीम कोर्ट भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को ध्वस्त करने पर क्यों तुली हुई है? अयोध्या और राम के जन्म का प्रमाण मांगने



तर्ह के कई गंभीर सवालों से सुप्रीम कोर्ट और देश की तमाम अदालतें घिर गई हैं। न्यायालय की साख और प्रतिष्ठा अब पुलिसिया चरित्र से भी नीचे देखी जाने लगी है। अदालतों द्वारा खुद की हिफाजत के लिए

14वीं-15वीं शताब्दी में बनी हुई हैं, ऐसे में वो दस्तावेज कहां से दिखाएंगे क्योंकि अंग्रेजी राज से पहले रजिस्ट्रेशन की कोई प्रक्रिया ही नहीं थी? कैसी विडम्बना और चारित्रिक विरोधाभास है, यह देखिए।

कृषि कानूनों पर सुनवाई के बिना ही अंतरिम रोक लगा दी थी। इससे दिल्ली को घेरे अराजक प्रदर्शनकारियों के बीच यह संदेश गया था कि भीड़तंत्र का डर दिखाकर कोई भी अपनी बात मनवा सकता है। एक तरफ

शुभ-लाभ विमर्श

अंकुश लगाने का कोई कारगर सिस्टम बनना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो देश में हिंसा, दंगा और लूटमार न्यायालयों के दोगलेपन के चलते होंगे। समाज के विभिन्न हिस्सों से कई सवाल सामने आ रहे हैं। वक्फ बोर्ड के खिलाफ याचिकाएं दाखिल करने से साफ-साफ इन्कार करने वाली सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून के खिलाफ याचिकाएं क्यों दाखिल कर ली? जबकि यह पूरे देश को

वाली अदालतें वक्फ पर खुद ही रुदालियां करने लगती हैं कि 15 सौ साल पुरानी मस्जिद का कागज वे कहां से लाएं? अदालत राम मंदिर के लिए सबूत मांगेगी और वक्फ के लिए कहेगी कि ये बेचारे कागज कहां से दिखाएंगे? अगर वक्फ बाई यूजर जैसा कोई प्रावधान हो सकता है, तो फिर मंदिर बाई यूजर और गुरुद्वारा बाई यूजर जैसा प्रावधान क्यों नहीं हो सकता? इस

वक्फ बाई यूजर ठीक तो मंदिर बाई यूजर और गुरुद्वारा बाई यूजर क्यों नहीं?

अयोध्या में श्रीराम की जन्मभूमि पर एक अदद मंदिर के लिए हिंदुओं को 134 वर्षों तक कोर्ट में लड़ाई लड़नी पड़ी। कागज दिखाने की ही तो लड़ाई थी, स्वामित्व साबित करने के लिए। क्या अब काशी, मथुरा, भद्रकाली, भोजशाला और अटाला पर भी सुप्रीम कोर्ट कागज नहीं मांगेगी? क्योंकि उस समय रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था नहीं थी? यह वही सुप्रीम कोर्ट है जिसने

आप राम मंदिर के लिए कहते हैं कि सबूत लाओ और दूसरी तरफ वक्फ के लिए कहते हैं कि ये बेचारे कागज कहां से दिखाएंगे, यह दोगलापन कैसे चल सकता है? और अगर वक्फ बाई यूजर नामक कोई प्रावधान हो सकता है, फिर मंदिर बाई यूजर और गुरुद्वारा बाई यूजर जैसा कोई प्रावधान क्यों नहीं हो सकता?

►10वर

वक्फ कानून के खिलाफ प्रायोजित हिंसा पर राज्यपाल गंभीर

राष्ट्रपति को हिंसा की विस्तृत रिपोर्ट भेजेंगे बोस

मालदा (पश्चिम बंगाल), 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

वक्फ कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल में हो रहे सत्ता प्रायोजित दंगों को लेकर राज्यपाल सीबी आनंद बोस ने सख्त रुख अपनाया है। हिंसाग्रस्त इलाकों का दौरा करने के बाद राज्यपाल ने कहा कि वे अपनी विस्तृत रिपोर्ट राष्ट्रपति को भेजेंगे।



राज्यपाल ने कहा, मुर्शिदाबाद और मालदा में जिस तरह हिंसा हुई, उसे कभी बदरिश्त नहीं किया जा सकता। बोस ने हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ितों से मुलाकात की और उनसे घटना का पूरा ब्योरा लिया।

मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में हिंसा से बड़ी संख्या में महिलाएं प्रभावित हुई हैं। पीड़ित लोगों से मुलाकात करने और हिंसा

प्रभावित क्षेत्रों का पूरा जायजा लेने के बाद प्रदेश के राज्यपाल सीबी आनंद बोस ने

हिंसा के पंथ को ताबूत में बंद कर आखिरी कील ठोकनी होगी

हिंसा की घटनाओं को मौत का नगा नाच बताया। उन्होंने कहा कि हिंसा का रास्ता

अपनाने वाली मानसिकता को जड़ से खत्म किए जाने की जरूरत है। बोस ने कहा, बंगाल में अलग-अलग जगहों से हिंसा की भयावह खबरें आ रही हैं। हमें हिंसा के पंथ को ताबूत में बंद कर ताबूत में आखिरी कील भी ठोकनी होगी। बंगाल में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए यह बेहद जरूरी है। राज्यपाल बोस ने कहा, मुर्शिदाबाद और मालदा जैसी घटनाएं कभी नहीं होनी चाहिए। बंगाल की सड़कों पर कई जगहों पर मौत का तांडव चल रहा है, इस तरह की हिंसा को कभी बदरिश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करने और लोगों की भावनाओं को जानने के बाद

►10वर

वक्फ कानून के तहत अवैध कब्जों पर कार्रवाई शुरू

वक्फ के अवैध कब्जे से मुक्त कराई 93 बीघा जमीन

लखनऊ, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

वक्फ कानून के खिलाफ देश भर में चल रहे राजनीतिक घमासान के बीच उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। योगी सरकार ने कौशांबी जिले में वक्फ के दावे की 58 एकड़ यानी 93 बीघा से अधिक जमीन मुक्त कराकर इसे सरकारी जमीन के रूप में रजिस्टर कर दिया है। वक्फ बोर्ड ने सिराथू तहसील के कड़ा धाम मिलकर में 93 बीघा जमीन पर अपना दावा ठोक रखा था। जबकि वह सरकारी जमीन थी। योगी सरकार ने यह कार्रवाई ऐसे वक्त में की है, जब देश भर में मुस्लिम संगठनों और विपक्षी दलों ने वक्फ कानून के



खिलाफ कई राज्यों में आंदोलन छेड़ रखा है। सुप्रीम कोर्ट भी मुसलमानों के साथ खड़ी

कौशांबी समेत अन्य कई जिलों में होगी कार्रवाई

हो गई है। मुस्लिम संगठनों ने ऐलान किया है कि जब तक सरकार इस कानून को वापस

नहीं ले लेती, वह अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

कौशांबी के जिला मजिस्ट्रेट मधुसूदन हुल्गी ने बताया कि जिले में कुल 98.95 हेक्टेयर भूमि वक्फ बोर्ड के अंतर्गत रजिस्टर है। इसमें से 93 बीघा (करीब 58 एकड़) भूमि को वक्फ के कब्जे से मुक्त कराकर इसे सरकार के खोते में दर्ज कर लिया गया है। सरकार की ओर से यह कार्रवाई जांच के बाद की गई है। जांच में यह पता चला था कि वक्फ बोर्ड के तहत रजिस्टर होने से पहले यह जमीन ग्राम समाज के नाम पर दर्ज थी। इस जमीन के बड़े हिस्से में मद्रसे और कब्रिस्तान बनाए गए थे।

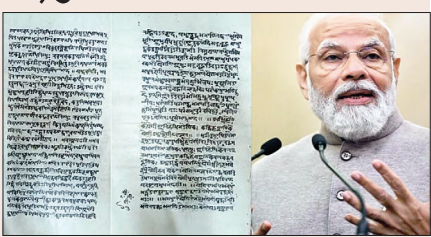
►10वर

यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल

भगवद गीता और नाट्यशास्त्र को अंतरराष्ट्रीय सम्मान

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में भारत की अब 14 प्रविष्टियां हो गई हैं। इसके तहत वैश्विक महत्व की दस्तावेजी विरासत को संरक्षित किया जाता है। गीता और नाट्यशास्त्र के इसमें शामिल होने से यूनेस्को में भारत का दबदबा बढ़ गया है। पीएम मोदी ने अमेरिका के साथ प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में साझेदारी के मसले पर एलन मस्क से वार्ता की। भगवद गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया। इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुशी जताई। उन्होंने इसे दुनिया भर में हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण कहा। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री जगदीश सिंह शेखावत ने भी इस पर खुशी जताई। पीएम मोदी ने कहा, दुनिया भर में फैले हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है।



प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भारतवासियों के लिए गर्व का क्षण

►10वर

भारत सरकार ने बांग्लादेश को दी सख्त हिदायत

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर ध्यान दे बांग्लादेश

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं, बौद्धों और अन्य धर्मावलंबियों की सुरक्षा पर ध्यान देने की सख्त हिदायत दी है। भारत ने कहा है कि बांग्लादेश सरकार अपने देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की चिंता करे और अन्य देशों के आंतरिक मामलों में घुसने की आदत छोड़ दे। पश्चिम बंगाल की हिंसा पर टिप्पणी करने वाले बांग्लादेश को आड़े हाथों लेते हुए भारत सरकार ने कहा, पड़ोसी देश को अपने देश में रहने वाले अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है। हम पश्चिम बंगाल की घटनाओं के संबंध में बांग्लादेश की ओर से की गई टिप्पणियों को अस्वीकार करते हैं। ऐसी टिप्पणी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर भारत की चिंताओं का समाधान करने के बजाय हिंसा की घटनाओं के साथ समानता दिखाने का छिपा हुआ और धूर्त प्रयास है। भारत ने बांग्लादेश को आइना दिखाते हुए कहा कि वहां हिंसा जैसे कृत्यों में संलिप्त अपराधी खुलेआम घूमते रहते हैं।



►10वर

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार की वकालत

भारत सुरक्षा परिषद की सदस्यता का प्रमुख दावेदार

न्यूयॉर्क, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

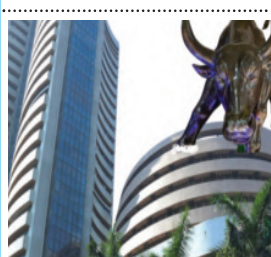
यूएनएससी में सुधारों पर इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशंस के अध्यक्ष तारिक अलबनई ने कहा कि भारत आज वैश्विक मंच पर एक प्रमुख खिलाड़ी है। परिषद के सदस्यों की संख्या 21 से बढ़ाकर 27 की जाएगी, तो निश्चित रूप से भारत इसमें दावेदार होगा और व्यापक सदस्यता के निर्णय के अधीन होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में विस्तार का मुद्दा एक बार फिर उठा है। यूएनएससी में सुधारों पर इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशंस (आईजीएन) के अध्यक्ष तारिक अलबनई ने कहा कि अगर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार होता है तो भारत सीट का प्रमुख दावेदार होगा। उन्होंने कहा कि सुधार परिषद का लक्ष्य प्रतिनिधित्वपूर्ण होना चाहिए। भारत आज वैश्विक मंच पर एक प्रमुख खिलाड़ी है। संयुक्त राष्ट्र 193 देशों का सदस्य है।



आईजीएन के अध्यक्ष तारिक अलबनई ने किया भारत का समर्थन

►10वर

शेयर मार्केट



बीएसई : 78,553.20
+1508.91 +1.96%
एनएसई : 23,851.65
414.45 (1.77%)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35°
न्यूनतम : 24°

अवैध सम्पत्तियों को लेकर मुश्किल में गांधी परिवार

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध के लिए आरोपियों के खिलाफ सजा की मांग की है। ईडी ने नवंबर 2023 में अटैच की गई 661 करोड़ रुपए की सम्पत्ति को जब करने के लिए मंजूरी मांगी है। ईडी ने कहा है कि मंजूरी मिलने के बाद जब की गई सम्पत्तियां नीलामी या किसी अन्य ऐसी प्रक्रिया के जरिए सरकारी खजाने

में चली जाएंगी। प्रवर्तन निदेशालय ने (ईडी) ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड-यंग इंडियन-नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दायर आर-पेपत्र में 661 करोड़ रुपए की सम्पत्ति जब करने की मांग की है। ईडी ने यह सम्पत्ति जांच के दौरान अटैच की थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने अभियोजन पक्ष के आर-पेपत्र में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बयान भी संलग्न किए हैं। ये बयान ईडी ने 2022 में उनसे पूछताछ के

दौरान दर्ज किए थे।ऐसा माना जाता है कि उन्होंने एजेएल और



यंग इंडियन के मामलों में किसी भी तरह की गड़बड़ी से इन्कार

किया है और कहा है कि वे पूर्व कर्ज में डूबी कंपनी (एजेएल) की

को ज्यादातर दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा ने देखा था, जो अप्रैल तय की है। एजेंसी ने 2001 और 2002 के बीच एजेएल के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। साथ ही कहा कि यंग इंडियन (वाईआई) द्वारा एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) का अधिग्रहण व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए नहीं था। आरोपत्र ईडी ने सक्षम अदालत के समक्ष 9 अप्रैल को दायर किया गया था। यह अदालत सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामलों की सुनवाई

करती है। अदालत ने मामले में सुनवाई की अगली तारीख 25 अप्रैल तय की है। एजेंसी ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध के लिए आरोपियों के खिलाफ सजा की मांग की है। साथ नवंबर 2023 में अटैच की गई 661 करोड़ रुपए की सम्पत्ति को जब करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि सफल सुनवाई के बाद जब की गई ये सम्पत्तियां नीलामी या किसी अन्य ऐसी प्रक्रिया के जरिए

►10वर

कार्टून कॉर्नर



बंगलूरु/शुभ लाभ व्यूरो। बापूजी नगर क्षेत्र के निवासियों द्वारा महाकाली देवी उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

इस बीच, एक संबंधित घटनाक्रम में, रान्या राव के पति कथित तौर पर तलाक के लिए एक अर्हें दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं, उनका दावा है कि उनकी शादी के दिन से ही उनके बीच कोई समझौता नहीं हो पाया है। हाई कोर्ट, जो रान्या राव और उनके सह-आरोपी तरुण कोड्डु राजू की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, ने मामले को 21 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया है, और अधिकारियों को उससे पहले अपनी आपत्तियाँ प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।



जाति जनगणना पर अभी तक कोई निर्णय नहीं

कैबिनेट की बैठक बिना आम सहमति के समाप्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विवादास्पद जाति जनगणना रिपोर्ट पर चर्चा के लिए गुरुवार को बुलाई गई विशेष कैबिनेट बैठक बिना किसी समाधान के समाप्त हो गई और कर्नाटक सरकार ने इस मामले को अगली कैबिनेट बैठक तक टालने का फैसला किया, जो संभवतः अगले सप्ताह होगी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कथित तौर पर अपने कैबिनेट सहयोगियों से आगामी बैठक में अपनी राय साझा करने के लिए कहा - चाहे लिखित रूप में हो या मौखिक रूप से - जहां अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। सूत्रों ने संकेत दिया कि बैठक में कोई स्पष्ट सहमति नहीं थी, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और कई अन्य लोगों ने रिपोर्ट के निष्कर्षों के बारे में संदेह व्यक्त



किया। कहा जाता है कि बागवानी मंत्री एस एस मल्लिकार्जुन ने चर्चा के दौरान रिपोर्ट का कड़ा विरोध किया। बाद में मीडिया से बात करते हुए, मंत्री मल्लिकार्जुन ने विभाजन की बात को कमतर आंकते हुए कहा कोई मजबूत विरोध या समर्थन नहीं था। मंत्रियों ने केवल कुछ कमियों की ओर इशारा किया और सुधार के लिए कहा। मामला चर्चा में है। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने पुष्टि की कि बैठक अनिर्णायक रूप से समाप्त हो गई। उन्होंने कहा

मंत्रियों को रिपोर्ट का अध्ययन करने और जवाब देने के लिए कुछ और दिन दिए गए हैं। हमने विस्तृत चर्चा की है और यह अधिकतर सकारात्मक रही। श्रम मंत्री संतोष लाड ने कहा कि इतने बड़े मामले को एक ही बैठक में नहीं सुलझाया जा सकता। इसका कोई सीधा विरोध नहीं था। हर कोई इस विचार के लिए खुला है। उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि चर्चा अभी भी जारी है, जबकि सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना ने स्पष्ट किया कि किसी

भी मंत्री ने रिपोर्ट को सीधे तौर पर खारिज नहीं किया है। उन्होंने कहा हर कोई अधिक जानकारी और स्पष्टता चाहता है। अगली बैठक में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। लघु सिंचाई मंत्री एनएस बोसराजू ने भी कहा कि मामला खुला है और आरडीपीआर, आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खड्गे ने टिप्पणी की कि कोई भी मंत्री इस तरह की पहल के माध्यम से सामाजिक न्याय प्रदान करने का विरोध नहीं करता है। जाति जनगणना मूल रूप से 2014 में सिद्धरामैया के मुख्यमंत्री के रूप में पिछले कार्यकाल के दौरान शुरू की गई थी। एच. कांताराजू के नेतृत्व में तत्कालीन पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण पर राज्य को लगभग 169 करोड़ रुपये खर्च करने पड़े और यह 2016 तक पूरा हो गया। हालांकि, कांग्रेस-जद(एस) और भाजपा दोनों सरकारों ने इसके

निष्कर्षों को गुप्त रखा। 2020 में भाजपा सरकार ने जयप्रकाश हेगड़े को आयोग का प्रमुख नियुक्त किया। हेगड़े ने इस साल 29 फरवरी को वर्तमान कांग्रेस सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौंपी। हालांकि सरकार ने आधिकारिक तौर पर रिपोर्ट की सामग्री का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इसमें मुस्लिम आबादी 18.08 प्रतिशत बताई गई है और समुदाय के लिए 8 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की गई है। कहा जाता है कि ये आंकड़े वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों से अधिक हैं, जिससे विवाद पैदा हो गया है। वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत सहित प्रमुख समुदायों के नेताओं ने निष्कर्षों पर चिंता व्यक्त की है और चेतावनी दी है कि अगर रिपोर्ट को बिना संशोधन के लागू किया गया तो बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन होंगे।

महिला बाइक टैक्सी चालकों ने सरकार से प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने का किया आग्रह



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अपनी आजीविका खोने के खतरे का सामना करते हुए, बेंगलूरु में लगभग 40 महिला बाइक टैक्सी चालकों ने कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी को एक याचिका प्रस्तुत की, जिसमें राज्य सरकार से बाइक टैक्सी सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की गई। उनकी याचिका 2 अप्रैल को कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद आई है, जिसमें मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 93 के तहत नियामक प्रावधानों की कमी के कारण मई के मध्य तक

सभी बाइक टैक्सी संचालन को रोकने का आदेश दिया गया था, जिसके तहत सार्वजनिक सेवा वाहनों या मालवाहकों के लिए एंजेंट, प्रचारक या एग्रीगेटर के रूप में काम करने वाले किसी भी व्यक्ति को नामित प्राधिकारी से लाइसेंस प्राप्त करना आवश्यक है। अदालत ने कहा कि रैपिडो, ओला और उबर जैसे टैक्सी सेवा ऑपरेटर तब तक बाइक टैक्सी एग्रीगेटर के रूप में काम नहीं कर सकते जब तक कि कर्नाटक सरकार धारा 93 के तहत विशिष्ट दिशा-निर्देश और नियम अधिसूचित नहीं करती। अपनी अपील में, ड्राइवरों ने स्पष्ट

नियामक ढांचे, अनुपालन करने वाले ऑपरेटरों के लिए अस्थायी परमिट और हितधारक परामर्श के माध्यम से समावेशी नीति विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। इनमें से कई महिलाएं अपनी आय के प्राथमिक स्रोत के रूप में बाइक टैक्सी पर निर्भर हैं और उनके पास व्यवहार्य विकल्प नहीं हैं। इस बीच, अदालत के आदेश के मद्देनजर, डिजिटल सेवा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले इंटरनेट और मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने सरकार से व्यापक बाइक टैक्सी दिशानिर्देश तैयार करने के लिए एक संयुक्त समिति गठित करने का आग्रह किया है।

तटीय कर्नाटक में गरज के साथ बारिश की संभावना



मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मानसून से पहले की बारिश के तेज होने की आशंका के चलते भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने तटीय कर्नाटक के लिए 20 और 21 अप्रैल को येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान दक्षिण कन्नड़ और उडुपी

जिलों में गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। गुरुवार को मेंगलूरु और आसपास के इलाकों में धूप और बादलों के बीच मौसम साफ रहा। हालांकि कुछ जगहों पर बादल छाए रहे, लेकिन बारिश दर्ज नहीं की गई। इस बीच, चिकमंगलूरु और

कोडागु जिलों के कुछ हिस्सों में दोपहर में हल्की बारिश दर्ज की गई। मेंगलूरु में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 26.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राज्यपाल द्वारा मुस्लिम कोटा विधेयक राष्ट्रपति को भेजे जाने के बाद सरकार ने सुप्रीम कोर्ट जाने के लिए संकेत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का संकेत दिया, जब राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुस्लिम कोटा विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजकर उनकी मंजूरी मांगी। राज्यपाल ने कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता (संशोधन) विधेयक, 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए सुरक्षित रख लिया है, जिसमें सरकारी नागरिक अनुबंधों में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव है। उन्होंने संभावित संवैधानिक बाधाओं का हवाला देते हुए इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए



सुरक्षित रख लिया है। इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के कानूनी सलाहकार और विधायक ए एस पोन्नन्ना ने कहा यह एक विधेयक के संबंध में नहीं है, कर्नाटक के राज्यपाल तमिलनाडु के राज्यपाल

और केरल और पश्चिम बंगाल के राज्यपालों की तरह ही काम कर रहे हैं। पोन्नन्ना ने आगे कहा जहां भी गैर-भाजपा सरकार है, वहां भाजपा राज्यपाल के कार्यालय के माध्यम से काम कर रही है। यह बहुत खराब मिसाल है और

तमिलनाडु राज्य के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी हमारे राज्यपाल का इस तरह का व्यवहार अस्वीकार्य है। पोन्नन्ना ने कहा हमें सुप्रीम कोर्ट जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने कहा सुप्रीम कोर्ट ने समय सीमा तय की है। यहां तक कि भारत के राष्ट्रपति को भी तीन महीने में फैसला करना चाहिए। हम इंतजार करेंगे और देखेंगे। कांग्रेस विधायक रिजवान अरशद ने कहा यह एक राजनीतिक साजिश है। राज्यपाल भाजपा के एंजेंट की तरह काम करते हैं। संविधान के तहत पिछड़े वर्गों को दिया जाने वाला 4 प्रतिशत

आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं दिया जाता है। पिछड़ा वर्ग आयोग ने श्रेणी 2ए बनाई है और मुसलमानों को इस श्रेणी में शामिल किया है। इससे पहले राज्यपाल ने राज्य सरकार को लिखा था कि भारत का संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण करता है। अनुमति नहीं देता है, क्योंकि यह अनुच्छेद 14 के तहत समानता, अनुच्छेद 15 के तहत गैर-भेदभाव और अनुच्छेद 16 के तहत सार्वजनिक रोजगार में समान अवसर के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। राज्यपाल ने अपने पत्र में यह भी कहा है कि इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय का भी यही रुख है।

कर्नाटक में रोहित वेमुला कानून बनाए सरकार: राहुल गांधी

जाति आधारित भेदभाव खत्म करना है मकसद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में रोहित वेमुला कानून लागू करने की अपील करते हुए राहुल गांधी ने राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को पत्र लिखा है। उन्होंने सीएम सिद्धरामैया को लिखे पत्र में कहा, सरकार को 'रोहित वेमुला एक्ट' नाम से कानून बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कानून का मकसद शिक्षा प्रणाली में जाति आधारित भेदभाव को खत्म करना है। अपने पत्र में राहुल ने भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर का भी जिक्र किया है। उन्होंने इस बात को भी

रेखांकित किया कि किस तरह बाबा साहेब अंबेडकर को भी अपने जीवनकाल में भेदभाव का सामना करना पड़ा था। राहुल ने अपने पत्र में बाबा साहेब के संस्मरण का जिक्र करते हुए लिखा डॉ. अंबेडकर को एक समय बिना भोजन के सोना पड़ा, क्योंकि लोगों ने अछूत मानकर उन्हें पानी देने से इनकार कर दिया। अंबेडकर बताते हैं कि उनके पास पर्याप्त खाना था, भूख भी लगी थी, इसके बावजूद उन्हें भूखे सोना पड़ा। स्कूल में उन्हें अपनी रैंक के मुताबिक सहपाठियों के बीच बैठने की अनुमति नहीं थी। उन्हें कोने में अकेले बिठाया जाता था।



अंबेडकर ने जो झेला वह शर्मनाक था। भारत में किसी बच्चे के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए। आज हमारे लिए यह शर्म की बात है कि देश की शिक्षा प्रणाली में

दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदायों के लाखों छात्रों को जाति आधारित भेदभाव से जूझना पड़ता है। 16 अप्रैल को लिखे इस पत्र में राहुल लिखते हैं कि रोहित वेमुला, पायल तड़वी और दर्शन सोलंकी जैसे होनहार युवाओं की हत्या अस्वीकार्य है। इनसे सख्ती से निपटने का समय आ गया है। राहुल ने लिखा कि वे कर्नाटक में रोहित वेमुला कानून लागू करने की अपील करते हैं, ताकि किसी भी बच्चे को वैसे दृश न झेलने पड़े जो डॉ. बीआर अंबेडकर, रोहित वेमुला और लाखों अन्य लोगों को सहने पड़े। उन्होंने एक्स पर अपना पत्र साझा किया और लिखा, हाल ही में वे संसद में

दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदायों के छात्रों और शिक्षकों से मिला। बातचीत के दौरान कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाति आधारित भेदभाव के बारे में जानकारी मिली। बाबा साहेब अंबेडकर ने दिखाया था कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है जिसकी मदद से वंचित भी सशक्त बन सकते हैं। जाति व्यवस्था को तोड़ा जा सकता है। हालांकि, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि दशकों बाद भी, लाखों छात्र हमारी शिक्षा प्रणाली में जातिगत भेदभाव का दंश झेलने को मजबूर हैं। बता दें कि हैदराबाद में पड़ाई करने वाले रोहित वेमुला की 2016 में मौत हुई थी।

कृषि विभाग ने हितधारकों को जानकारी प्रदान करने के लिए कृषि वर्थे समाचार पत्र निकाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के कृषि विभाग, जिसकी स्थापना एक सदी पहले हुई थी, ने पहली बार किसानों, गैर सरकारी संगठनों और विभिन्न हितधारकों को इस क्षेत्र में विकास के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए कृषि वर्थे नामक मासिक समाचार पत्र निकाला है। कृषि मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी ने जीकेवीके, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलूरु में 2025-26 मानसून कार्यशाला के अवसर पर अप्रैल अंक के पहले समाचार पत्र की एक प्रति जारी की। उन्होंने कहा कि समाचार पत्र कृषि क्षेत्र में शामिल विभिन्न खिलाड़ियों के साथ संबंध बनाने में मदद करेगा और उपयोगी जानकारी भी प्रदान करेगा। समाचार पत्र कन्नड़



भाषा में है। समाचार पत्र में कृषि तालाबों, खेती के मशीनीकरण, विभिन्न सरकारी योजनाओं और ई-एसएपी, एक मोबाइल ऐप के माध्यम से कृषि क्षेत्र को प्रभावित करने वाली बीमारियों और कीटों के निदान के बारे में विस्तृत जानकारी शामिल है। कृषि विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि समाचार पत्र कृषि क्षेत्र में सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सेव-

ाओं, किसानों की सफलता की कहानियों, नई योजनाओं, नए तकनीकी विकास, जैविक खेती, विभाग के कर्मचारियों की उपलब्धियों और अन्य गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। कृषि विभाग की स्थापना 1913 में तत्कालीन मैसूर महाराजा नलवाडी कृष्णराज वाडियार के शासनकाल के दौरान हुई थी, जब सर एस. विश्वेश्वरैया मैसूर के दीवान थे।

मंदिर में शराब पीने से मना किया तो अपराधियों ने पुजारी को जमकर पीटा, मौत के बाद प्राथमिकी दर्ज

वैशाली (एजेंसियां)। वैशाली में आज एक पुजारी की इलाज के दौरान मौत हो गई। अपराधियों ने पुजारी की जमकर पीटाई की थी। आननफानन में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामला भगवानपुर थाना क्षेत्र के करहरी गांव की है। मृतक पुजारी भगवानपुर थाना क्षेत्र के करहरी गांव निवासी स्वर्गीय खखन राय के पुत्र प्रदीप राय (79) थे। घटना के संबंध में परिजनों का

कहना है कि होली के दिन चार युवक मंदिर में शराब पीने के लिए पहुंचे थे। मंदिर के पुजारी प्रदीप राय ने उनका विरोध करते हुए उन्हें मंदिर में शराब पीने नहीं दिया। जिसके बाद चारों युवकों ने प्रदीप राय की जमकर पीटाई की। इस पीटाई में पुजारी गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और आननफानन में उन्हें सदर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने

उनका प्राथमिक इलाज कर उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें पटना परिजनों ने बताया कि पीएमसीएच की बदहाली को देखते हुए उन लोगों ने प्रदीप राय को पटना के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज होने के बाद वह वापस घर लौट आये। आज पुजारी की मौत हो गई। पुजारी की मौत की सूचना मिलते ही भगवानपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

जनेऊ छीनकर अहंकार दिखाने वाले अधिकारियों के खिलाफ हो कार्रवाई: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से आग्रह किया है कि वे उस अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई करें, जिन्होंने बीदर में एक छात्र को जनेऊ पहनकर सीईटी परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी और शिवमोग्गा में एक छात्र की जनेऊ उतार दी। उन्होंने अपने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर इस बारे में पोस्ट करते हुए कहा कि छात्रों का



भविष्य बर्बाद करने वाले और हिंदू परंपरा के सिद्धांतों का अपमान करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की है कि कांग्रेस सरकार सनातन हिंदू धर्म के सिद्धांतों का मार्गदर्शन करने

वाले सभ्य ब्राह्मण समुदाय का अपमान करने के लिए तुरंत और बिना शर्त माफी मांगे। बीदर में जनेऊ पहने एक छात्र को सीईटी परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं देने का व्यवहार, तथा शिवमोग्गा में एक छात्र की जनेऊ उतारने का

दुस्साहस अत्यंत घृणित है। इस प्रकार की बौद्धिक विकृति और अमानवीय व्यवहार अनुसुना है और इसने कांग्रेस सरकार की घृणित मानसिकता को उजागर कर दिया है। उन्होंने सीईटी परीक्षा कर्मचारियों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने एक छात्र के इंजीनियरिंग की डिग्री के सपने का मजाक उड़ाया है, जिसने बचपन से ही इसका सपना देखा था। परीक्षा और साक्षात्कार के दौरान कुछ वस्तुएं ले जाना प्रतिबंधित है, लेकिन जनेऊ पहनना परिवार

और भारतीय सामुदायिक परंपरा का मामला है। एक जनेऊ का एक विद्यार्थी की परीक्षा पर क्या प्रभाव पड़ता है? संबंधित मंत्री और सरकार को जवाब देना होगा। विजयेन्द्र ने अप्रत्यक्ष रूप से उच्च शिक्षा मंत्री एम.सी. सुधाकर पर निशाना साधते हुए कहा कि शिक्षा एक संस्कृति है और यह घटना इस बात का सबूत है कि अगर शिक्षा मंत्रालय का प्रबंधन वे लोग करें जिनके पास यह संस्कृति नहीं है तो क्या प्रभाव पड़ सकता है।



एम्स गोरखपुर में 500 बेड के विश्राम सदन का शिलान्यास

चिकित्सक की सबसे बड़ी पहचान उसकी संवेदना: योगी

गोरखपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक चिकित्सक की सबसे बड़ी पहचान उसकी संवेदना होती है। यदि किसी डॉक्टर के मन में संवेदना नहीं है तो वह डॉक्टर कहलाने का अधिकारी है या नहीं, इस पर विचार होना चाहिए। उसकी पहचान ही संवेदना से है। चिकित्सक की संवेदना गंभीर से गंभीर मरीज की आधी बीमारी को दूर कर सकती है। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा संस्थानों के डॉक्टरों को यह नसीहत भी दी की वे बेवजह मरीजों को हायर सेंटर रेफर करने की प्रवृत्ति से बचें और मरीज को क्रिटिकल केयर उपलब्ध कराने में रिस्क लेने की आदत डालें।

सीएम योगी शुक्रवार दोपहर बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर के परिसर में 500 लोगों की क्षमता वाले विश्राम सदन (रैन बसेर) का भूमि पूजन-शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। 44.34 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह विश्राम सदन पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा विश्राम सदन होगा। इसका निर्माण पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सीएसआर निधि से कराया जा रहा। शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी चिकित्सा संस्थान डॉक्टर के व्यवहार के माध्यम से संवेदना का केंद्र भी होता है। संवेदना के इस केंद्र में अगर एक मरीज भर्ती होने



आता है तो उसके साथ कम से कम 3 या 4 अटेंडेंट होते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में तो कई बार अटेंडेंट की संख्या 10 तक हो जाती है। ऐसे में मरीज के साथ आने वाले अटेंडेंट को आश्रय की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 500 बेड के विश्राम सदन के शिलान्यास के साथ ही गोरखपुर एम्स को एक नई उपलब्धि प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एम्स गोरखपुर का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2016 में किया था। 2019 में एम्स गोरखपुर का पहला मैच एडमिशन लिया था और 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस एम्स का लोकार्पण किया था। 2016 में जो बीज एम्स के रूप में गोरखपुर में रोपा गया था, आज वह एक वटवृक्ष बनकर हजारों पीढ़ियों को आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, एक नया जीवनदान देने का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि एम्स गोरखपुर में होगा, यह एक कल्पना मात्र

लगती थी। हम लोग 2003 से इस आवाज को उठा रहे थे। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे।

एम्स दिल्ली के बाहर भी स्थापित होंगे, इसके लिए उन्होंने छह एम्स की घोषणा की थी। पर, उसके बाद यह क्रम थम सा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद बिना भेदभाव, सबका साथ, सबका विकास के मंत्र का साकार रूप स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी देखने को मिल रहा है। देश के अंदर 22 नए एम्स पीएम मोदी के कार्यकाल में, 10 वर्षों में बने हैं या बन रहे हैं। उनमें से गोरखपुर एम्स भी एक है। गोरखपुर में एम्स बने, इसके लिए 2003 में उठाई गई आवाज को 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आकार दिया।

मुख्यमंत्री ने करीब डेढ़ वर्ष पहले लखनऊ में एसजीपीजीआई के अपने दौरे के दौरान सड़कों पर बड़ी संख्या में लोगों को देख उनकी व्यवस्था के लिए अटेंडेंट



शेल्टर होम बनाने के निर्देश दिए थे। एसजीपीजीआई, केजीएमयू, बीएचयू में और एम्स गोरखपुर में पेशेंट अटेंडेंट के लिए विश्राम गृह बनाने की जिम्मेदारी अवनीश अवस्थी को दी गई थी। उन्होंने प्रयास शुरू किए तो पेट्रोलियम मिनिस्ट्री ने एसजीपीजीआई, केजीएमयू और आरएमएल के लिए तीन रैन बसेर दिए। पावर मिनिस्ट्री के सहयोग से एम्स गोरखपुर के लिए रैन बसेरा स्वीकृत हुआ।

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 20 साल पहले इंसेफेलाइटिस के पीक समय में शुरू किए गए तीमारद-रों के भोजन के लिए रिसायती मॉडल का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एक समय बीआरडी मेडिकल कॉलेज इंसेफेलाइटिस हॉस्पिटल था। वहां पर समूचे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पेशेंट आते थे। वहां पर बड़ी अव्यवस्था देखने को मिलती थी। लोगों के पास खाने के लिए भोजन नहीं

होता था। उस समय हम लोगों ने एक स्वयंसेवी संस्था से मिलकर व्यवस्था कराई थी। उस समय आठ रुपये में तीमारदारों के लिए दाल, चावल, रोटी, सब्जी की व्यवस्था शुरू की गई। उन्होंने कहा कि आज भी पेशेंट के अटेंडेंट को बीआरडी मेडिकल कॉलेज और गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय में भी दस रुपये में भरपेट दाल, चावल, सब्जी, रोटी की सुविधा आज भी प्राप्त हो रही है।

इस मौके पर सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि एम्स गोरखपुर की स्थापना का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को है। उन्होंने इस संस्थान के लिए अपना खून-पसीना बहाया है। जनता को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना हमेशा से उनकी उच्च प्राथमिकता रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के नौनिहालों के लिए त्रासदी रही इंसेफेलाइटिस पर पूर्ण नियंत्रण इसका प्रमाण है। शिलान्यास समारोह में एम्स गोरखपुर की गवर्निंग काउंसिल के

चेयरमैन देशदीपक वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और सहयोग से कम समय में ही गोरखपुर एम्स की उपलब्धियां मौन क्रांति की तरह है। वर्तमान में यहां पांच सुपर स्पेशलिटी डिपार्टमेंट संचालित हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि गोरखपुर का एम्स प्रथम श्रेणी वाले संस्थानों की कतार में तेजी से शामिल हो रहा है। इस अवसर पर एम्स गोरखपुर की कार्यकारी निदेशक डॉ. विभा दत्ता ने कहा कि विश्राम सदन सिर्फ एक भवन नहीं है बल्कि रोगियों के परिजनों को आश्रय और बुनियादी सुविधाएं सुविधा दिलाने का संवेदनशील कदम है। उन्होंने कहा कि एम्स गोरखपुर चिकित्सा सुविधाओं के क्षेत्र में धीरे-धीरे नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

स्वागत संबोधन में पावर ग्रिड के निदेशक (कार्मिक) यतींद्र द्विवेदी ने मुख्यमंत्री के स्वागत करते हुए बताया कि विश्राम सदन के निर्माण को 31 मार्च 2027 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव समेत कई जनप्रतिनिधि, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, पावर ग्रिड के कार्यपालक निदेशक (सीएसआर) जसवीर सिंह, उत्तरी क्षेत्र-3 के कार्यपालक निदेशक वाई.के. दीक्षित, उत्तरी क्षेत्र-3 के मानव संसाधन प्रमुख रमन सहित पावरग्रिड तथा एम्स, गोरखपुर के वरिष्ठ अधिकारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए योगी सरकार ने खोला खजाना



विभिन्न योजनाओं पर खर्च किए गए ढाई हजार करोड़ रुपये

लखनऊ, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने 2024-25 में पिछड़े वर्ग के उत्थान और कल्याण के लिए अपना खजाना खोल दिया है। प्रदेश सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत पिछड़े वर्ग के लाखों लोगों को राहत देने और उन्हें आगे बढ़ाने के उद्देश्य से ढाई हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार पिछड़े वर्ग के समग्र विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। उनकी शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण, सामाजिक सहयोग और आवासीय सुविधाओं के साथ ही आधारभूत सुविधाओं पर ध्यान देकर सरकार सामाजिक समरसता और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 2024-25 में सरकार ने पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना पर 168.75 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिससे 7.94 लाख से अधिक छात्रों को लाभ मिला है। इसके तहत, कक्षा एक से कक्षा 10 तक के पिछड़े वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। वहीं, दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत

1981.45 करोड़ रुपये व्यय किए गए, जिससे 21.31 लाख छात्रों को शैक्षिक सहायता मिली। इसमें कक्षा 11 से उच्च शिक्षा में पढ़ने वाले छात्र लाभान्वित होते हैं। सरकार ने पिछड़ी जातियों की गरीब बेटियों की शादी में मदद के लिए 2024-25 में 200 करोड़ रुपये की राशि खर्च की है। इसका लाभ एक लाख बेटियों और उनके परिवारों को मिला, जिससे उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीवन की नई शुरुआत करने का अवसर मिला।

प्रदेश सरकार ने पिछड़ी जातियों के छात्रों को कंप्यूटर शिक्षा से जोड़ने के लिए 2024-25 में 32.92 करोड़ रुपये की राशि खर्च की है। इस योजना से 29,769 छात्रों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान मिला, जिससे उनके रोजगार के अवसर बढ़े हैं। इस योजना का उद्देश्य पिछड़े वर्ग के छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना है। शिक्षा के साथ-साथ आवास सुविधा को बेहतर बनाने के लिए भी सरकार ने छात्रावास अनुसंधान योजना के अंतर्गत 2024-25 में 2 करोड़ रुपये की राशि व्यय की है। यह बजट प्रदेश के छह छात्रावासों के अनुसंधान हेतु दिया गया है। इन छात्रावासों के माध्यम से योगी सरकार पिछड़े वर्ग के छात्रों को आवासीय सुविधा भी प्रदान कर रही है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में छह नए अस्पताल में नहीं हुआ प्रोटोकॉल का पालन तो मंत्री नाराज जजों को दिलाई गई शपथ

प्रयागराज, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्रवार को छह नए न्यायाधीशों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने अपने न्यायालय कक्ष में सभी नए न्यायाधीशों को सुबह 10 बजे शपथ ग्रहण कराया। इसी के साथ हाईकोर्ट में कुल जजों की संख्या 87 हो गई है। हाईकोर्ट में जजों के कुल 160 पद स्वीकृत हैं।

जिन नए न्यायाधीशों ने शुक्रवार को शपथ ग्रहण किया उसमें जितेंद्र कुमार सिन्हा, अनिल कुमार, संदीप जैन, अवनीश सक्सेना, मदन पाल सिंह और हरीश सिंह शामिल हैं। इस मौके पर तमाम न्यायाधीश और हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, एडवोकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद थे।

सोनभद्र, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में एक अस्पताल के दौरे के दौरान योगी सरकार में मंत्री प्रोटोकॉल के उल्लंघन से नाराज हो गए। इसके बाद मंत्री संजीव कुमार गोंड ने सोनभद्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को अस्पताल के अधीक्षक को दूसरे स्थान पर ट्रांसफर करने का निर्देश दिया है।

सोनभद्र जिले में ओबरा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले गोंड, उत्तर प्रदेश

सरकार में समाज कल्याण राज्य मंत्री हैं।

अधिकारियों के अनुसार, संजीव कुमार गोंड बुधवार को डिबुलगंज स्थित संयुक्त जिला अस्पताल में सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन करने गए थे।

अपने दौरे के दौरान उन्होंने कथित तौर पर देखा कि जब समर्थक उनका अभिवादन कर रहे थे तो अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक रवि प्रताप सिंह चेहरे पर मास्क लगाए चुपचाप पीछे खड़े थे। संजीव गोंड ने



संवाददाताओं से कहा, मैं पहचान नहीं पाया कि वह डॉक्टर कौन था। बाद में उद्घाटन स्थल पर डॉक्टर मेरे पास आया और बोला,

मंत्री महोदय, आप मुझसे नहीं मिले। मैंने उससे कहा कि प्रोटोकॉल के अनुसार आगे आकर मेरा अभिवादन करना

आपका कर्तव्य था। गोंड ने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनसे शिकायत की थी कि अधिकारी अक्सर ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में पाया जाता है। उन्होंने कहा, ऐसे डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी अश्विनी कुमार ने पुष्टि करते हुए कहा, मंत्री ने बुधवार को उन्हें फोन किया था तभी मुझे पता चला कि डिबुलगंज अस्पताल के अधीक्षक ने प्रोटोकॉल का पालन

नहीं किया। मैंने एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा मामले की जांच के आदेश दिए हैं। दोषियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि एक चिकित्सक की सबसे बड़ी पहचान उसकी संवेदना होती है और अगर चिकित्सक के मन में संवेदना नहीं है तो वह चिकित्सक कहलाने का अधिकारी है या नहीं, इस पर जरूर विचार होना चाहिए।

उत्तर प्रदेश की जीएसडीपी 2024-25 में 27 लाख करोड़ से ज्यादा हुई

लखनऊ, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

आर्थिक विकास के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल हुई हैं। उत्तर प्रदेश, जो कभी विकास की दौड़ में पिछड़ गया था, आज पूरी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 1950 से लेकर 2017 तक प्रदेश की सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) केवल 12.75 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच पाई थी। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी नीतियों और निर्णायक नेतृत्व की बदौलत यह आंकड़ा 2024-25 में दोगुना से अधिक होकर 27.51 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंचा है। यही नहीं, आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश ने 30.77 लाख करोड़ रुपये के जीएसडीपी लक्ष्य को भी निर्धारित किया है। राष्ट्रीय स्तर पर जहां 2023-24 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 9.6 प्रतिशत रही, वहीं उत्तर



प्रदेश ने 11.6 प्रतिशत की दर से प्रगति दर्ज कर देश के अन्य राज्यों को पीछे छोड़ दिया। यह स्पष्ट संकेत है कि मुख्यमंत्री योगी का आर्थिक मॉडल तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर है। प्रदेश की यह प्रगति दर्शाती है कि पहले की सरकारों की उपेक्षा के कारण उत्तर प्रदेश वर्षों तक विकास की दौड़ में पिछड़ता रहा। लेकिन अब वही राज्य, नए भारत के निर्माण में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरकर सामने आ रहा है।

इंडियन इंस्टीट्यूट एसोसिएशन (आईआईए) ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बेहतर कानून व्यवस्था को व्यापार के लिए सजीवनी बताया है। आईआईए अयोध्या मंडल के अध्यक्ष प्रमि

कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियां उत्तर प्रदेश के विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाने में सहायक साबित हो रही हैं। विशेष तौर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कानून व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश भी इसका बड़ा कारण है। इसी वजह से प्रदेश में व्यापार के अनुकूल माहौल बना है। जिसका परिणाम है कि देश-विदेश से लोग व्यापार करने के लिए उत्तर प्रदेश आने के लिए उत्सुक रहते हैं। यहां पर इन्वेस्ट करने के बाद कारोबारियों को अपने व्यापार में काफी सहूलियत में मिलती है। इसके साथ ही लोग उत्तर प्रदेश में काफी सुरक्षित भी महसूस करते हैं।

एफआईआर दर्ज होते ही आरोपी फरार

बरेली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

बरेली के सीबीगंज क्षेत्र में कब्रिस्तान की सरकारी भूमि को वक्फ सम्पत्ति बताकर कब्जा करने का आरोपी एफआईआर दर्ज होने के बाद से फरार है। पुलिस आर-पी सब्जे अली की तलाश कर रही है। प्रशासन की मदद से पुलिस उसकी सम्पत्ति जब्त कर सकती है। सीबीगंज के एक मामले में शिकायत पर एसएसपी ने जांच कराई तो पता लगा कि गांव सरनिया के अभिलेखों में कब्रिस्तान के नाम दर्ज सरकारी भूमि को सब्जे अली ने फर्जी ट्रस्ट बनाकर वक्फ में पंजीकृत करवाकर कब्जा कर लिया है। पुतन शाह ने मामले की शिकायत दर्ज कराई थी।



पुतन शाह ने कानूनी लड़ाई लड़ी तो दो साल पहले कोर्ट ने भूमि को कब्जामुक्त कराने का आदेश जारी कर दिया। कोर्ट के आदेश को भी सब्जे अली दबाए बैठा रहा। एसएसपी के हस्तक्षेप पर बुधवार को पुतन शाह ने 11 लोगों पर धोखाधड़ी, फर्जी कागजात बनाने व मारपीट की

रिपोर्ट कराई। बृहस्पतिवार को इंस्पेक्टर सुरेश चंद्र गौतम ने मौके पर टीम भेजकर जांच कराई तो पता लगा कि सब्जे अली व उसके परिजन घर में ताला डालकर भाग गए हैं। भूमि को कब्जामुक्त कराने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू करने की तैयारी है। गांव सरनिया निवासी पुतन

शाह के मुताबिक गांव में ही एक बेशकीमती जमीन खतोनी में कब्रिस्तान के नाम दर्ज है। यह सरकारी जमीन है। उन्होंने बताया कि गांव के ही सब्जे अली ने सैयद हामिद हसन नाम के एक व्यक्ति को फकीर बनाकर कब्रिस्तान के कुछ हिस्से की जमीन पर बैठा दिया। फिर उससे झाड़ू-फूंक कराकर लोगों को बरागलाने लगा।

आरोपी उससे होने वाली आमदनी में अपना हिस्सा लेने लगा। हामिद हसन की मौत के उसके शव को वहीं कब्र खुदवाकर दफन करा दिया। फिर उस जमीन के साथ ही कब्रिस्तान के कुछ हिस्से की करीब तीन बीघा जमीन पर कब्जा करने की नियत से मजार का निर्माण कराने लगा था।

आरोपी ने फर्जी कागजात तैयार कर फकीर सैयद हामिद हसन दरगाह चैरटेबिल ट्रस्ट के नाम से न्यास पत्र उपनिबंधक सदर द्वितीय के कार्यालय में 24 नवंबर वर्ष 2020 को पंजीकृत करा लिया। इसके बाद अवैध रूप से कब्जा की गई जमीन पर खुद को ट्रस्टी नामित कर ट्रस्ट में अपने ही परिजनों को शामिल कर लिया। आरोपी ने सुजी सेंट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ में इस सम्पत्ति को पंजीकृत करवा दिया। इसे अपनी जमीन बताते हुए खुद इसका अध्यक्ष बन गया। पुतन शाह ने 12 फरवरी वर्ष 2021 में सब्जे अली ने पुतन शाह के विरुद्ध ही कोर्ट में एक वाद डाल दिया। पुतन ने कानूनी लड़ाई लड़ी तो कोर्ट ने सब्जे अली के कब्जे को अवैध पाया।



ईरान-यूएस वार्ता से पहले सऊदी रक्षा मंत्री की तेहरान यात्रा, रिश्तों में नया मोड़

तेहरान, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर होने वाली वार्ता से ठीक पहले सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान गुरुवार को आधिकारिक यात्रा पर तेहरान पहुंचे।

इस महत्वपूर्ण दौर के दौरान उन्होंने ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई से मुलाकात की और सऊदी किंग सलमान बिन अब्दुलअजिज का विशेष संदेश सौंपा।

ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, खामेनेई ने इस मुलाकात के दौरान कहा कि, ईरान और सऊदी अरब के बीच संबंध दोनों देशों के लिए लाभकारी हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तेहरान, रियाद के साथ रिश्तों को और बेहतर बनाने के लिए सभी बाधाओं को दूर करने के लिए तैयार है।

गौरतलब है कि 2023 में चीन की मध्यस्थता से ईरान और सऊदी अरब ने एक ऐतिहासिक समझौते के तहत राजनयिक संबंधों को फिर से स्थापित किया था। यह समझौता वर्षों की दुश्मनी और क्षेत्रीय अस्थिरता को खत्म करने की दिशा में एक बड़ा कदम था।

तेहरान यात्रा के दौरान सऊदी रक्षा मंत्री ने ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद बाघेरी से भी मुलाकात की। बाघेरी ने कहा कि, बीजिंग समझौते के बाद से

सऊदी और ईरानी सेनाओं के बीच रिश्तों में उल्लेखनीय सुधार आया है।

सऊदी अरब ने अमेरिका और ईरान के बीच हो रही परमाणु वार्ता का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्रीय और वैश्विक विवादों को सुलझाने की दिशा में सकारात्मक कदम बताया है। बताया जा रहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच रोम में इस सप्ताहांत दूसरे दौर की वार्ता होगी, जिसका केंद्र ईरान का विवादास्पद यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम रहेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

यूक्रेन के प्रति नरम पड़े ट्रंप, कहा- युद्ध के लिए जेलेंस्की जिम्मेदार नहीं



वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यूक्रेन के प्रति सुर बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए जेलेंस्की जिम्मेदार नहीं हैं। वह जल्द ही यूक्रेन के साथ एक मिनरल्स डील (खनिज उत्पादन से संबंधित) पर हस्ताक्षर करने की तैयारी कर रहे हैं। इस समय इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी अमेरिका की यात्रा पर हैं। मेलोनी के साथ वार्ता के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि वह जेलेंस्की को युद्ध के लिए जिम्मेदार नहीं मानते। लेकिन इस बात से भी खुश नहीं हैं कि उस क्षेत्र में युद्ध हो रहा है। साथ ही उन्होंने जल्द ही यूक्रेन के साथ मिनरल्स डील पर हस्ताक्षर करने की बात कही। ट्रंप ने यह बयान इटली की प्रधानमंत्री के सामने दिया है, इसलिए भी इसे खासा अहम माना जा रहा है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति की शपथ लेने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रंप युद्ध को लेकर जेलेंस्की पर खासे हमलावर रहे हैं। उन्होंने बीते दिनों व्हाइट हाउस में जेलेंस्की को युद्ध के लिए जिम्मेदार बताया था। इस दौरान ट्रंप और जेलेंस्की के बीच वाक्युद्ध तक हो गया था। उसके बाद जेलेंस्की ने ट्रंप को यूक्रेन आकर रूस द्वारा मवाई गई तबाही को देखने का न्यौता दिया था।

बंधक छोड़ने व इजरायली सेना की वापसी पर हमास युद्ध बंद करने को तैयार



गाजा शहर। गाजा में इजरायल द्वारा की जा रही ताबड़तोड़ हमले की कार्रवाई से फिलिस्तीनी कट्टरपंथी संगठन हमास बेचैन हो गया है। उसने शर्त रखी है कि गाजा से इजरायली सेना पूरी तरह से वापस हो। साथ ही फिलिस्तीनी बंदियों को भी छोड़ा जाए तो बदले में इजरायली बंदियों को भी रिहा कर देंगे। इसके बाद युद्ध भी समाप्त कर दिया जाएगा। हालांकि हमास के इस नए प्रस्ताव पर इजरायल की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हमास के वरिष्ठ पदाधिकारी खलील अल हैया ने गुरुवार की रात एक टेलीविजन पर कहा कि यह प्रस्ताव उनकी ओर से दिया जा रहा है। यदि इस पर सहमति बनती है तो पिछले डेढ़ साल से अधिक समय से गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म किया जा सकता है। हालांकि हमास ने यह भी साफ किया है कि वह इजरायल की उस मांग को मंजूर नहीं करेंगे, जिसमें हमास को अपने हथियार डालने होंगे। गौरतलब है कि बीते दिनों इजरायल द्वारा 45 दिन के अस्थायी संघर्ष विराम का प्रस्ताव रखा था। इसमें शर्त रखी गई थी कि हमास

अमेरिकी नागरिक ने हाईजैक किया विमान, आरोपी ढेर



बेलमोषान। अमेरिकी नागरिक ने दुर्घसाहस पूर्ण कार्रवाई को अंजाम दे डाला। आरोपी ने बेलीज के घरेलू उड़ान पर जा रहे विमान को चाकू की नोक पर हाईजैक कर लिया। लेकिन तभी आरोपी को एक विमान के यात्री ने गोली मारकर ढेर कर दिया। आरोपी की पहचान अमेरिकी नागरिक अकिन्वेला सावा टेलर (65) के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब विमान हवा में था। हाईजैक के समय विमान में 14 यात्री और दो चालक दल के सदस्य सवार थे। विमान घरेलू उड़ान पर कोरोजल शहर से सैन पेद्रो के लिए जा रहा था। आरोपी ने विमान को चाकू की नोक पर देश से बाहर ले जाने का प्रयास किया। बेलीज के पुलिस कमिश्नर चेंस्टर विलियम्स ने बताया कि वारदात शनिवार देर शाम की है। आरोपी टेलर ने विमान में पायटल व दो यात्रियों के चाकू भी मारे। उसके बाद एक घायल यात्री ने अपनी लाइसेंस पिस्टल से आरोपी को गोली मार दी। पायटल समेत तीनों घायलों का इलाज अस्पताल में किया जा रहा है। घटना के दौरान विमान करीब दो घंटे तक हवा में चक्कर लगाता रहा। हालांकि बाद में उसे बमशिकल सुरक्षित उतारा जा सका। कमिश्नर विलियम्स ने कहा कि बेलीज के छोटे हवाई अड्डों पर सुरक्षा व्यवस्था काफी कम है। यह काफी चिंता का विषय है कि आरोपी विमान में चाकू लेकर कैसे चढ़ गया।

यूक्रेन युद्ध में रूस ने खोए लाखों सैनिक, अब सेना में भर्ती करने युवाओं को भेज रहा समन

कुछ युवा हाईपरटेंशन और डायबटीज जैसी बीमारियों से ग्रसित, छिपने को हैं मजबूर

मॉस्को, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

यूक्रेन से युद्ध के चलते रूस में सैन्य हलचल है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर 1 अप्रैल से देशभर में एक 'महा सैन्य भर्ती अभियान' चलाया जा रहा है, जिसमें 18 से 30 साल के करीब 1.6 लाख युवाओं को सेना में भर्ती किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि सेना में भर्ती के लिए कुछ हाईपरटेंशन और डायबटीज जैसी बीमारियों से ग्रसित हैं।

यह भर्ती अभियान 2011 के बाद की सबसे बड़ी कंसक्रिप्शन ड्राइव मानी जा रही है। इस अभियान के जरिए रूस की सैन्य ताकत को 25 लाख सैनिकों तक पहुंचाना है। पुतिन ने पिछले साल एक आदेश में इसका जिक्र किया था और अब यह योजना जमीन पर उतारी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस बार की भर्ती पहले से कहीं ज्यादा और आक्रामक तरीके से की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को के पास रहने वाले 21 साल के युवक का कहना है कि वह हाईपरटेंशन बीमारी से पीड़ित है, इसके बावजूद सेना में भर्ती के लिए उसे समन भेजा गया है। वह इन दिनों छिपकर रहने को मजबूर है और उम्मीद कर रहा है कि मेडिकल छूट के लिए आवेदन कर सके, क्योंकि सरकार से उसे राहत नहीं मिल रही।

रिपोर्ट में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के मुताबिक पहले युवाओं को किसी भी आधार पर भर्ती से छूट मिल जाती थी, लेकिन इस बार 18 से 30 साल तक की उम्र सीमा तय कर दी गई है। पहले यह सीमा 27 साल थी। एक संगठन के प्रवक्ता का कहना है कि अब समन किसी को भी मिल सकता है और इससे बचने का रास्ता तकरीबन बंद हो गया है। भले ही रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि ये सैनिक यूक्रेन नहीं भेजे जाएंगे, लेकिन जानकारों का मानना है कि ये कदम यूक्रेन युद्ध को लंबा खींचने की तैयारी है। अनुमान के मुताबिक रूस ने पिछले तीन साल में यूक्रेन से जंग में लाखों सैनिकों को खो दिया है।



ट्रंप ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को दी धमकी, अब विदेशी छात्रों के दाखिले को रोकेंगा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के बीच तनाव चरम पर है। ट्रंप ने जो शर्तें रखी थीं, उसे हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने मानने से इनकार कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने अब हार्वर्ड को झुकाने के लिए नया पेंचरा अपनाया है। ट्रंप प्रशासन ने धमकी दी है कि अगर हार्वर्ड मांगें नहीं मानता है तो उसे विदेशी छात्रों के दाखिले से रोक दिया जाएगा। यह विवाद न केवल हार्वर्ड की स्वतंत्रता को चुनौती दे रहा है, बल्कि उन छात्रों के सपने पर ग्रहण लगा रहा है, जो अमेरिका में पढ़ना चाहते हैं। ट्रंप उस हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के खिलाफ एक्शन लेना चाहते हैं, जिसने अब तक दुनिया को 162 नोबेल पुरस्कार विजेता दिए हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि ट्रंप उसपर लगाम नहीं लगा पा रहे हैं। ट्रंप ने हार्वर्ड पर सख्त सरकारी नियंत्रण की मांग की है, जिसमें दाखिला प्रक्रिया, स्टाफ भर्ती और राजनीतिक विचारों की जांच शामिल है। हार्वर्ड ने इन मांगों को खारिज कर दिया जिससे ट्रंप प्रशासन भड़क गया। होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा कि अगर हार्वर्ड अपनी रिपोर्टिंग जरूरतों का पूरी तरह पालन नहीं करता है तो उसे विदेशी छात्रों के दाखिले का विशेषाधिकार खोना पड़ेगा। ट्रंप ने हार्वर्ड को मजबूर कर देते हुए ट्रथ सोशल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हार्वर्ड को अब एक सम्मानजनक शिक्षण संस्थान भी नहीं माना जा सकता और इसे दुनिया की महान विश्वविद्यालयों या कॉलेजों की किसी भी सूची में नहीं रखा जाना चाहिए। हार्वर्ड एक मजाक है, नफरत और मूर्खता सिखाता है और इसे अब सघीय धन नहीं मिलना चाहिए। ट्रंप ने पहले ही 2.2 बिलियन डॉलर की संघीय फंडिंग को स्थायी रूप से रोक दिया है। हार्वर्ड के अध्यक्ष ने कहा- हम अपनी स्वतंत्रता व अधिकारों से समझौता नहीं करेंगे उन्होंने इसकी टेक्स प्री रिश्तित को छीनने की भी धमकी दी है। उन्होंने विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष की भी आलोचना की, जिन्हें कथित अक्षमता के बावजूद पद से नहीं हटाया गया। हार्वर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि यूनिवर्सिटी अपनी स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों पर कोई समझौता नहीं करेगी। हार्वर्ड ने अन्य विश्वविद्यालयों के विपरीत, सरकारी हस्तक्षेप का कड़ा विरोध किया है। अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी सरकार को चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में हो, यह तय नहीं करना चाहिए कि निजी विश्वविद्यालय क्या पढ़ा सकते हैं, किसे प्रवेश दे सकते हैं और किसे नौकरी पर रख सकते हैं, और अध्ययन और जांच के किन क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं।

अमेरिका में पांच लाख का इनामी खालिस्तान समर्थक आतंकी पासिया गिरफ्तार



अमेरिका में खालिस्तान समर्थक सदिग्ध आतंकी व गैंगस्टर हैप्पी पासिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर भारत के चंडीगढ़ के साथ ही पंजाब में कई हमले करने का आरोप है। उसे इमिग्रेशन एंड कस्टम इंफोर्मेट में ले लिया है। उसकी गिरफ्तारी पर भारतीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पांच लाख रुपये का इनाम रखा था। गिरफ्तारी शनिवार की रात को की गई। जांच एजेंसियों को पता चला है कि पासिया पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक वह पाकिस्तान में छिपे खालिस्तानी आतंकी हरिवंदर सिंह रिंदा के लिए भी काम करता था। इसके निशाने पर पंजाब के जालंधर के एक पूर्व पुलिस अधीक्षक और उनका परिवार था। उसे जल्द ही भारत लया जाएगा।

दुनिया की सबसे छोटी नदी! पलक झपकते ही पार, सिर्फ 61 मीटर लंबी

वाशिंगटन, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

आपने गंगा, नील और अमेजन जैसी विशाल नदियों के बारे में तो सुना ही होगा, जिनकी लंबाई हजारों किलोमीटर में होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसी भी नदी है, जिसे आप महज कुछ सेकंड में पार कर सकते हैं जी हां, यह कोई मजाक नहीं, बल्कि हकीकत है! इस रहस्यमयी और अनोखी नदी का नाम है रॉप नदी। यह अमेरिका के मोंटाना राज्य में स्थित है और इसकी कुल लंबाई केवल 61 मीटर (201 फीट) है। इतनी छोटी कि छलांग लगाते हुए इसे पार कर लें। छोटा पैकेट, बड़ा कमाल यह नदी अमेरिका के मोंटाना राज्य के गार्गेंट स्प्रिंग्स से निकलती है और कुछ ही दूरी पर जाकर मिसेरी नदी में मिल जाती है। इसकी लंबाई सिर्फ 61 मीटर है। इस कारण इसे गिनीज रिकॉर्ड में 1989 से 2006 तक दर्ज रखा गया था। रॉप नदी को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया की सबसे छोटी नदी के रूप में दर्ज किया गया था। हालांकि बाद में इस श्रेणी को हटा दिया गया। और भी हैं छोटी नदियां दुनिया में रॉप नदी के अलावा भी कुछ और छोटी नदियां हैं, जो लंबाई के मामले में काफी छोटी हैं। ऐसी ही नदियों में तम्बोरासी नदी का नाम आता है जो इंडोनेशिया में



स्थित है और इसकी लंबाई केवल 20 मीटर है। इसके अलावा नर्वे की कोवासेल्वा नदी है, जिसकी लंबाई लगभग 65.6 फीट है। यहां बताते चलें कि रॉप नदी को अधिकतर संस्थाएं और रिकॉर्ड बुक्स भी दुनिया की सबसे छोटी मान्यता प्राप्त नदी मानती हैं। किसे माना जाता है नदी जब बात नदी को परिभाषित करने की आती है तो विषय विशेषज्ञों की राय भिन्न-भिन्न नजर आती है। ऐसे में यूएस जियोलाजिकल सर्वे के अनुसार, किसी भी

जलधारा को नदी कहलाने के लिए यह जरूरी है कि उसमें पानी लगातार बहता हो और यह पानी किसी ऊंचे क्षेत्र से आकर किसी समुद्र, झील या दूसरी नदी में मिल जाए। रॉप नदी इस परिभाषा को पूरी तरह फिट बैठती है। न्यूट्रोन किसी पदार्थ से टकराकर जब गुजरते हैं, इस तरह रास्ते में हुए बदलावों से यह समझा जा सकता है कि आसपास कौन-कौन से परमाणु हैं और वे किस तरह से हिल रहे हैं। वीएसपीडीएफ, कैमरा की स्पीड बदली जा सकती है, जिससे 'डायनामिक डिसऑर्डर' और 'स्टैटिक डिसऑर्डर' (सामान्य हलचल) के बीच फर्क करना आसान होता है। इस तकनीक को वैज्ञानिकों ने सबसे पहले जर्मनियम टेल्युराइड नामक पदार्थ पर आजमाया। यह पदार्थ थर्मोइलेक्ट्रिक उपकरणों में काम आता है, जो गर्मी से बिजली बनाते हैं या बिजली से ठंडक पैदा करते हैं। अध्ययन में सामने आया कि जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, इसके परमाणु खास दिशा में तेजी से हिलने लगते हैं वही दिशा जिससे यह बिजली खींचता है। इस खोज से वैज्ञानिकों को न केवल जटिल पदार्थों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी, बल्कि इस तरह के नए उपकरण बनाने की दिशा में भी रास्ता खुलेगा जो अंतरिक्ष अभियानों जैसे कि मंगल ग्रह पर चलने वाले रोवर के लिए ऊर्जा मुहैया करा सकें।

सामान्य स्मार्टफोन से करीब 25 करोड़ गुना तेज कैमरा वैज्ञानिकों ने किया तैयार

वाशिंगटन। वैज्ञानिकों ने ऐसा कैमरा तैयार किया है, जो एक सेकंड के खुरबड़े हिस्से में फोटो खींच सकता है। यह कैमरा सामान्य स्मार्टफोन से करीब 25 करोड़ गुना तेज है। कैमरे का नाम है वीएसपीडीएफ, कैमरे को कोलंबिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की टीम ने तैयार किया है। इसकी मदद से परमाणुओं की गति और उनकी हलचल को बेहद सटीकता से देख सकते हैं। दरअसल वैज्ञानिक लंबे समय से इस प्रक्रिया को समझना चाहते थे, लेकिन तकनीक की सीमाओं के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा था। अब इस नए सुपर-फास्ट कैमरे से संभव हो सकेगा। यह कैमरा आम कैमरों की तरह रोशनी का इस्तेमाल नहीं करता, बल्कि न्यूट्रॉन नामक सूक्ष्म कणों की मदद से परमाणुओं की स्थिति का पता लगाता है। न्यूट्रॉन किसी पदार्थ से टकराकर जब गुजरते हैं, इस तरह रास्ते में हुए बदलावों से यह समझा जा सकता है कि आसपास कौन-कौन से परमाणु हैं और वे किस तरह से हिल रहे हैं। वीएसपीडीएफ, कैमरा की स्पीड बदली जा सकती है, जिससे 'डायनामिक डिसऑर्डर' और 'स्टैटिक डिसऑर्डर' (सामान्य हलचल) के बीच फर्क करना आसान होता है। इस तकनीक को वैज्ञानिकों ने सबसे पहले जर्मनियम टेल्युराइड नामक पदार्थ पर आजमाया। यह पदार्थ थर्मोइलेक्ट्रिक उपकरणों में काम आता है, जो गर्मी से बिजली बनाते हैं या बिजली से ठंडक पैदा करते हैं। अध्ययन में सामने आया कि जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, इसके परमाणु खास दिशा में तेजी से हिलने लगते हैं वही दिशा जिससे यह बिजली खींचता है। इस खोज से वैज्ञानिकों को न केवल जटिल पदार्थों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी, बल्कि इस तरह के नए उपकरण बनाने की दिशा में भी रास्ता खुलेगा जो अंतरिक्ष अभियानों जैसे कि मंगल ग्रह पर चलने वाले रोवर के लिए ऊर्जा मुहैया करा सकें।

के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव के बिना और सुरक्षा समुदाय से अटूट समर्थन की राष्ट्रीय एकता संभव नहीं है। सरकार इस मिशन

को नेतृत्व कर रही है और हमें अपने पूर्व सैनिकों और सुरक्षा समुदाय से अटूट समर्थन की आवश्यकता है।



आयोगों के पुनर्गठन में और कोई देरी नहीं होगी।

प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि देश ने द्वंद काल के पृष्ठ को बदल दिया है और लोकतंत्र को गले लगा लिया है। किसी भी भ्रम या बहाने के तहत हत्या, हिंसा, धार्मिक अतिवाद या अराजकता को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। अब हम गठबंधन सरकार में हैं। हमारे पास एकता और राष्ट्र निर्माण

काठमांडू, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने विपक्षी दल माओवादी को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि नेपाल के दशकों तक लंबे सशस्त्र संघर्ष के दौरान तत्कालीन विद्रोही समूह माओवादी द्वारा किए गए जघन्य अपराधों को किसी भी बहाने माफ नहीं किया जा सकता है।

नेपाल के पूर्व सैनिकों और पुलिस संगठन के छठे राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सशस्त्र संघर्ष के कारण पीड़ित हुए एक-एक नेपाली नागरिक को न्याय दिलाने के लिए उनकी सरकार कटिबद्ध है। माओवादी विद्रोहियों द्वारा आम नागरिकों और नेपाल के सुरक्षा बलों के साथ किए गए अमानवीय और जघन्य अपराधों को आम माफी नहीं दी जा सकती है। इसके लिए नेपाल सरकार ने बार बार अंतराष्ट्रीय जगत के सामने प्रतिबद्धता भी व्यक्त की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संक्रमणकालीन न्याय संपादन के लिए गठित सत्य निरूपण आयोग और लापता विस्तियों की जांच के लिए आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करने के साथ ही न्याय प्रदान करने के लिए प्रभावी ढंग से काम किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया कि संक्रमणकालीन न्याय



फिडे महिला ग्रैंड प्रिक्स : कोनेरु हम्पी की शानदार जीत, दिव्या देशमुख ने भी की दमदार वापसी

पुणे, 18 अप्रैल (एजेंसिया)। फिडे महिला ग्रैंड प्रिक्स 2024 के चौथे दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरु हम्पी ने अपने अनुभव और स्थितिगत ताकत का शानदार प्रदर्शन करते हुए रूस की पोलिना शुवालोवा को पराजित किया है। वहीं दिव्या देशमुख ने भी रोमांचक अंदाज़ में बाजी अपने नाम की, जबकि द्रोणवल्ली हरिका और वैशाली रमेशबाबू का अखिल भारतीय मुकाबला बराबरी पर छूटा।

हम्पी को सटीक रणनीति, पोलिना को किया परास्त – इतालवी ओपनिंग के साथ शुरू

हुए इस मुकाबले में हम्पी ने पोलिना के खिलाफ धीरे-धीरे स्थिति मजबूत की। आठवें मोड़ पर पोलिना को एक चुक नें हम्पी को बहुत दिलाई। 12वीं चाल में रानियों का आदान-प्रदान हुआ और इसके बाद हम्पी ने अपने जुड़े हुए व्यादों और सातवीं पंक्ति तक घुसपैठ करने वाली किरती से खेल पर पकड़ बना ली। 26वीं चाल तक तस्वीर साफ हो गई थी और 37 चालों में हम्पी ने बाजी अपने नाम कर ली। मैच के बाद हम्पी ने इसे 'आरामदायक खेल' बताया।

दिव्या देशमुख की 70 चालों तक चली

जंग- दिव्या देशमुख ने कारो-कान बचाव एक्सचेंज वेरिएशन में शानदार खेल दिखाया। उन्होंने ज्यादातर समय बहुत बनाए रखी और अंत में डबल किस्ती और राजा की मदद से 70 चालों के बाद मैलिया सलोमे को हराया। इस जीत के साथ दिव्या भी अंक तालिका में शीर्ष की ओर पहुंच गई हैं।

हरिका और वैशाली का मुकाबला रोमांचक झूँ- अखिल भारतीय भिड़ंत में द्रोणवल्ली हरिका और वैशाली रमेशबाबू आमने-सामने थीं। युनफेल्ड बचाव से शुरू हुए

इस मुकाबले में हरिका ने लंबे समय तक बहुत बनाए रखी, लेकिन वैशाली ने धैर्य नहीं खोया। 34वीं चाल के बाद हरिका कोई निर्णायक बहुत नहीं बना सकीं और खेल बराबरी पर समाप्त हुआ।

अंक तालिका में कड़ी टक्कर- चीन की झु जिनर इस समय 3.5 अंकों के साथ अंक तालिका में सबसे आगे हैं। हम्पी और दिव्या दोनों ही जिनर से केवल आधा अंक पीछे हैं। शुक्रवार को हम्पी और हरिका के बीच एक अहम अखिल भारतीय मुकाबला खेला जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

आईपीएल 2025 : गुजरात टाइटंस ने दासुन शनाका को ग्लेन फिलिप्स की जगह टीम में किया शामिल



नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सीजन में गुजरात टाइटंस (जीटी) ने बड़ा बदलाव करते हुए श्रीलंका के दासुन शनाका को टीम में शामिल किया है। शनाका को ग्लेन फिलिप्स की जगह टीम में लिया गया है, जो ग्रीडन इंजरी के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं और स्वदेश लौट चुके हैं। ग्लेन फिलिप्स को इस सीजन गुजरात टाइटंस ने 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। हालांकि, उन्हें एक भी मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला और इसी बीच वो ग्रीडन इंजरी का शिकार हो गए। इसके बाद फ्रैंचाइजी ने उन्हें पूरे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। दासुन शनाका इससे पहले 2023 के सीजन में भी गुजरात टाइटंस की ओर से खेल चुके हैं। उस वक़्त उन्हें कुछ ही मुकाबलों में मौका मिला था। अब एक बार फिर फ्रैंचाइजी ने उन पर भरोसा जताया है। शनाका को उनके बेस प्राइस 75 लाख रुपये में टीम में शामिल किया गया है। दासुन शनाका श्रीलंका के अनुभवी ऑलराउंडर हैं। उन्होंने अब तक 102 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी के लिए पहचाने जाने वाले शनाका, गुजरात टाइटंस की प्लेइंग इलेवन में बतौर ऑलराउंडर अहम भूमिका निभा सकते हैं।

आईपीएल : हेड सबसे अधिक स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने



मुम्बई। सनराइजर्स हैदराबाद को मुंबई इंडियंस के खिलाफ यहां हुए मैच में हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में सनराइजर्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने एक नया रिकार्ड बनाया है। हेड ने इस मैच में केवल 29 रन बनाये पर इसके साथ ही हेड आईपीएल में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने 170 से अधिक के स्ट्राइक रेट और 30 से अधिक के औसत से कुल 1000 रन बनाये हैं। इससे पहले जिन भी खिलाड़ियों ने 1000 रन बनाये हैं उनका स्ट्राइक रेट कम रहा है। हेड ने आईपीएल में 172 के स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाए हैं। हेड ने कुल 32 मैचों में 36.21 के औसत से 1014 रन बनाए हैं। इससे पहले 102 से अधिक खिलाड़ियों ने आईपीएल में 1000 रन बनाये हैं। इसमें वेस्टइंडीज के रसल ने 170 के अधिक के स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाये पर उनका औसत भी 27 रहा है। इसके अलावा वेस्टइंडीज के वी निकोलस पूरन और दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक व्लासेन जैसे खिलाड़ियों ने भी 1000 रन बनाये हैं पर उनका औसत भी हेड से कम ही रहा है हालांकि हेड का फॉर्म इस साल आईपीएल में अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 6 मैच में अब तक कुल 248 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 34 के औसत और 168 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं।

पंजाब किंग्स में आने से आया मेरे में बदलाव : अर्शदीप



नई दिल्ली। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने आईपीएल के इस सत्र में पंजाब की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। अर्शदीप ने कहा है कि इस टीम में आने के बाद से ही उनमें काफी बदलाव आया है जिसके कारण ही वह पहले से बेतर खिलाड़ी बन सके हैं। अर्शदीप ने कहा कि फ्रैंचाइजी में एक साल होने के बाद से ही उन्हें अहम भूमिका भी मिलने लगी जिससे वह अधिक जिम्मेदारी से अपना काम कर पाते हैं। वह साल 2019 से ही पंजाब किंग्स से खेल रहे हैं। उन्होंने 71 मैचों में अब तक 26.82 की औसत और 9 की इकॉनमी रेट से 84 विकेट लिए हैं। अर्शदीप ने कहा, जब से मैं पंजाब किंग्स में आया हूँ, पहले साल को छोड़कर, मुझे अपनी भूमिका में वरिष्ठता महसूस होने लगी है। मैं पिछले सात सालों से इस टीम से जुड़ा हुआ हूँ और टीम के साथ अपना पहला साल बिताने के बाद मुझे लगने लगा कि मुझे टीम में बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इससे मुझे एक खिलाड़ी और बेहतर इंसान के रूप में विकसित होने में भी सहायता मिली। अर्शदीप का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन आईपीएल सीजन 2021 में आया जब उन्होंने 12 मैचों में 18 विकेट लिए। वहीं उन्होंने 2022 में 10 विकेट लिए थे। अर्शदीप ने कहा कि इस लीग में खेलने से उन्हें पता चला कि अधिक दबाव वाले मैचों में किस प्रकार से खेला जाता है। इसके साथ ही उनका रुख भी खेल को लेकर गंभीर हो गया क्योंकि कठिन हालातों में अगर रुख गंभीर नहीं होगा तो उसका नुकसान टीम को हो सकता है।

चिन्नास्वामी में बारिश के बाद बरसे पंजाब किंग्स के गेंदबाज इस सीजन तीसरी बार घर में शर्मसार हुई आरसीबी



बेंगलुरु, 18 अप्रैल (एजेंसिया)। बारिश से प्रभावित मुकाबले में पंजाब किंग्स ने धमाकेदार खेल दिखाते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 5 विकेट से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी आरसीबी की अपने घर में हालत खराब रही। आरसीबी टीम डेविड की नाबाद 50 रनों की पारी की मदद से निर्धारित किए 14 ओवरों के खेल में जैसे-तैसे 95 रन का स्कोर खड़ा पाई। इसके जवाब में पंजाब किंग्स ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 12.1 ओवर 98 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया। पंजाब किंग्स की यह 7 मैचों में 5वीं जीत है। वहीं आरसीबी को इस सीजन तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। आरसीबी को ये तीनों हार अपने घर में मिली है।बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में बारिश के कारण यह मैच देर से शुरू हुआ था।

मुकाबले में पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गेंदबाजी में पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह ने पहले ही ओवर में विकेट लेकर अपनी टीम को धमाकेदार शुरुआत दिलाई। पहले ओवर में विकेट के बाद तो फिर आरसीबी की हालत खराब हो गई।बैक टू बैक दूसरे लो स्कोरिंग मैच में पंजाब किंग्स की टीम ने आरसीबी के खिलाफ संभलकर अपनी शुरुआत की। पंजाब को सिर्फ 96 रन का टारगेट मिला था, लेकिन इसके बावजूद ओपनर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य हड़बड़ी दिखाते हुए अपना विकेट गंवा दिया। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर भी कुछ खास कमाल नहीं कर सके। एक समय पंजाब किंग्स की टीम 54 रन के स्कोर 4 विकेट गंवाकर मुश्किल में फंस गई थी, लेकिन निहाल बंदेरा



साउथ कैरोलिना में आरबीसी हैरीटोज गोल्फ टूर्नामेंट में जरिस्टन थॉमस रिटर्न शॉट लगाते हुए।

वारणसी की पूजा यादव ने रचा इतिहास, भारतीय महिला हॉकी टीम में बनाई जगह

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसिया)। वाराणसी के ग्रामीण इलाके से ताल्लुक रखने वाली 21 वर्षीय पूजा यादव ने भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। वह पूर्वांचल क्षेत्र की पहली महिला खिलाड़ी बनी हैं, जिन्हें भारतीय हॉकी टीम में शामिल किया गया है। पूजा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुनी गई 26 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह मिली है। यह दौरा 26 अप्रैल से 4 मई 2025 तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। सेलेक्शन पर बोली पूजा – सपनों को दबाएं नहीं, मेहनत करो और उड़ान भरें अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए पूजा यादव ने कहा, जब मुझे टीम में चुने जाने की खबर मिली, तो यकीन नहीं हुआ। घर से हर कोई मुझे फोन कर बधाई देने लगा। मेरे माता-पिता

और भाई-बहन बेहद खुश हैं। पहले कभी सोचा नहीं था कि ऐसा कुछ होगा, लेकिन अब वे मुझ पर गर्व कर रहे हैं। पूजा ने आगे कहा, मैं गर्व महसूस कर रही हूँ कि मैं पूर्वांचल से भारतीय टीम में जगह बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी हूँ। मैं चाहती हूँ कि मेरी यह कामयाबी गांव-कस्बों की बाकी लड़कियों के लिए भी प्रेरणा बने। उन्हें अपने सपनों को दबाना नहीं चाहिए। अगर परिवार साथ दे और कड़ी मेहनत हो, तो कोई भी मुकाम दूर नहीं।

नेशनल कैप में सीनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव

पूजा यादव ने 23 मार्च 2025 से बेंगलुरु स्थित साई सेंटर में सीनियर नेशनल कैप में अभ्यास शुरू किया था। इस दौरान उन्होंने 65 सदस्यीय संभावित

खिलाड़ियों की सूची में भी जगह बनाई थी। सीनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव को लेकर पूजा ने कहा, यह मेरे लिए शानदार अनुभव रहा। सीनियर खिलाड़ियों को देखना और उनके साथ खेलना मेरे खेल को कई गुना बेहतर कर

रहा है। सभी बहुत मददगार हैं और हमें लगातार बेहतर करने की सलाह देते रहते हैं।

नेहा बनी मेंटर और रूम पार्टनर

पूजा ने बताया कि नेहा दीदी से उन्हें खास प्रेरणा मिली है। मैं मिडफील्डर हूँ और हमेशा सुफिला दी और नेहा दी को आदर्श मानती थी। अब उनके साथ प्रैक्टिस करना सपना सच होने जैसा है। नेहा दी मेरी रूम पार्टनर भी हैं और उन्होंने खेल के साथ डाइट, रणनीति और भारतीय टीम में खेलने के अनुभव को लेकर बहुत कुछ सिखाया है।

क्रिकेट से हॉकी तक का सफर

पूजा का सफर भी बेहद दिलचस्प रहा है। उन्होंने बताया, मैं बचपन में क्रिकेट बहुत खेला करती थी, लेकिन

स्कूल में हॉकी खेलने का मौका मिला और वहीं से शौक बना। 2015 में खेलना शुरू किया, पहले राज्य की जूनियर टीम में जगह बनाई और फिर सीनियर टीम में भी शामिल हुई। कई बार जूनियर नेशनल टीम से चुकने के बाद भी मैंने हार नहीं मानी। 2025 की सीनियर महिला नेशनल हॉकी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने के बाद अब नेशनल कैप तक पहुंची हूँ।

ऑस्ट्रेलिया दूर पर फोकस

पूजा का अगला लक्ष्य अब ऑस्ट्रेलिया दौरे में अच्छा प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा, फिलहाल मेरा ध्यान सिर्फ इसी दौरे पर है। कोशिश करूंगी कि हर मौके का पूरा फायदा उठाऊँ और आगे एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिए टीम में अपनी जगह बनाए रख सकूँ।

बारसिलोना ओपन : कार्लोस अल्कराज क्वार्टरफाइनल में, लासलो जिरे को सीधे सेटों में हराया

बारसिलोना, 18 अप्रैल (एजेंसिया)।

स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्कराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बारसिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में उन्होंने सर्बिया के लासलो जिरे को 6-2, 6-4 से हराया।

पहले सेट में किया दबदबा, दूसरे में दिखा संघर्ष

वर्ल्ड नंबर-2 अल्कराज ने मुकाबले की शानदार शुरुआत करते हुए पहले सेट में जिरे को कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। इस सेट में जिरे एक भी विनर नहीं लगा सके, जबकि अल्कराज ने 8 विनर जमाए। दूसरे सेट में जिरे ने वापसी की कोशिश की और 4-2 की बढ़त



भी बना ली। हालांकि इसके बाद अल्कराज ने लय पकड़ते हुए लगातार चार गेम जीते और सेट के साथ मुकाबला भी अपने नाम किया।

मैच के बाद अल्कराज ने कहा, 4-2 से पिछड़ने के बाद

मुकाबला वर्ल्ड नंबर-7 एलेक्स डी मिनाउर या ब्रिटेन के जैकब फर्नले में से किसी एक से होगा। यह मुकाबला शुक्रवार को खेला जाएगा। डेविडोविच फोकीना ने रुस्लेव को चौकाया दूसरी ओर, स्पेन के अलेहांद्रो डेविडोविच फोकीना ने वर्ल्ड नंबर-8 आंद्रे रुस्लेव को 7-5, 6-4 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। छह मुकाबलों में यह पहली बार था जब डेविडोविच फोकीना ने रुस्लेव को शिकस्त दी। उन्होंने पहले सेट में तीन बार ब्रेक हासिल किया और दूसरा सेट भी शानदार अंदाज़ में 5-4 की बढ़त के बाद बिना कोई पॉइंट गंवाए मैच अपने नाम कर लिया। खाचर्नाफ भी क्वार्टरफाइनल में एक अन्य मुकाबले में रूस के कारेन खाचर्नाफ ने स्पेन के जोमे मुनार को 7-5, 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

महिंद्रा के दो लेटेस्ट वर्जन लांच होंगे 2026 तक

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा

अपनी दो सबसे ज्यादा बिकने

वाली एसयूवी थार और

एक्सयूवी700 के फेसलिफ्ट वर्जन

पर काम कर रही है। कंपनी के

यह लेटेस्ट वर्जन 2026 तक

लॉन्च किए जाएंगे।

थार को साल 2020 में और एक्सयूवी700 को 2021 में बाजार में उतारा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक थार फेसलिफ्ट कोडनेम डब्ल्यू515 के तहत तैयार की जा रही है, जिसका डिजाइन थार रॉक्स से प्रेरित होगा।

इसमें डबल-स्टेकड स्लॉट वाली नई ग्रिल, सी-शेड एलईडी सिग्नेचर हेडलाइट और टेल-लाइट, नया बंपर, बांडी क्लैडिंग और नए डिजाइन वाले अलॉय व्हील्स शामिल होंगे।

इंटीरियर में भी नया स्टीयरिंग व्हील, रीमैप किए गए बटन, बड़ा टचस्क्रीन

इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रुमेंट क्लस्टर और हार्ड-टॉप वर्जन में सनरूफ जैसी सुविधाएं जोड़ी जाएंगी।

इंजन ऑप्शंस में कोई बदलाव नहीं होगा। इसमें कनेक्टेड एलईडीहेडलाइट्स, नया ग्रिल, चौकोर व्हील क्लैडिंग जैसे बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इंटीरियर में भी हार्ड-टेक और प्रीमियम टच देखने को मिलेगा। एक्सयूवी700 फेसलिफ्ट में भी इंजन विकल्प पहले जैसे ही रहेंगे, जिनमें 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल (200एचपी) और 2.2-लीटर टर्बो-डीजल (155-185एचपी) शामिल होंगे।

दोनों एसयूवीएस में तकनीक और डिजाइन के लिहाज से बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा इसमें पहले की तरह 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन (152एचपी), 1.5-लीटर डीजल (119एचपी) और 2.2-लीटर डीजल (132एचपी) इंजन के विकल्प मिलेंगे, जो 6-स्पीड मैनुअल या ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आएंगे।

वहीं, एक्सयूवी700 फेसलिफ्ट (कोडनेम डब्ल्यू616) को बीई 6 और एक्ईवी 9ई जैसी इलेक्ट्रिक एसयूवीएस की पन्युचरिस्टिक डिजाइन लैंग्वेज के अनुसार अपडेट किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुप्रीम कोर्ट को...

कल को गांव के गांव वक्फ बाई यूजर हो जाएंगे, क्योंकि कश्मीर में तो हिंदुओं को पलायन के लिए मजबूर किया गया तो वहां कौन देखने गया किसी की सम्पत्ति का क्या इस्तेमाल हुआ? पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में भी आज वही हो रहा है। बड़ी अजीब बात है कि एक तरफ एक गिरोह को सड़क पर दंगे करने से लेकर किसी भी सम्पत्ति को अपना बनाने तक का अधिकार है। दूसरी तरफ अपने आराध्यों के मंदिर में पूजा के अधिकार के लिए एक वर्ग दशकों तक कोर्ट में दौड़ता है। एक तरफ फंडिंग और रसूख है, दूसरी तरफ इस देश को अपना मानने वाले लोग हैं जो संविधान से ऊपर शरीयत को नहीं रखते।

देश के उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका की गिरती हुई साख का जिक्र करते करते हुए कहा है कि सुप्रीम कोर्ट सुपर संसद बनने की कोशिश न करे। सुप्रीम कोर्ट कानून नहीं बना सकती। यह काम संसद का है जो जनता के प्रति जवाबदेह है। संसद के दोनों सदनों से पारित होकर और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद वक्फ संशोधन अधिनियम कानून बना। अब सुप्रीम कोर्ट में इसके खिलाफ कई याचिकाएं पहुंच गईं। अब सुप्रीम कोर्ट ने इसपर सुनवाई भी शुरू कर दी, जैसे कि सुप्रीम कोर्ट संसद से ऊपर हो। हां, भारतीय लोकतंत्र में राष्ट्रपति के शीर्ष आसन पर उंगली उठाने के बाद मद में आए सुप्रीम कोर्ट ने खुद को संसद के ऊपर समझ लिया हो तो कोई आश्चर्य की बात नहीं। जिस कानून को पूरी संसद ने पारित किया उस पर सरकार को सुप्रीम कोर्ट के बेमानी सवालों के जवाब देने पड़ रहे हैं। अब तक देश के सभी सांसदों को सुप्रीम कोर्ट के सामने धरना पर बैठ जाना चाहिए था। अब तय हो ही जाना चाहिए कि देश विधायिका से चलेगा या सुप्रीम कोर्ट से।

मोदी सरकार भी फिसड्डी ही साबित हो रही है। आप याद करिए तब सोमनाथ चर्टजी लोकसभा के अध्यक्ष हुआ करते थे। उस समय भी इसी तरह सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा को अपने अरदब में लाने की कोशिश की थी। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने सुप्रीम कोर्ट को सख्त चेतावनी दी थी कि वह अपनी हद में रहे। लेकिन संसद से पारित होने के बाद भी रेंद्र मोदी की सरकार सुप्रीम कोर्ट के हड़काने पर सफाई देने लग जाती है। सरकार के सीधे स्टैंड लेना चाहिए कि संसद से पारित हुए विधेयकों पर सरकार सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कोई भी जवाब देने के लिए जिम्मेदार नहीं है। लेकिन यह लोकतांत्रिक नैतिक बल है ही नहीं सरकार के पास। अनुच्छेद-370 और 35-ए निरस्त किए जाने का मामला हो या फिर वक्फ संशोधन कानून पारित होने का मामला, बार-बार सुप्रीम कोर्ट संसद को पारित विधेयकों पर याचिका दाखिल कर लेती है और पंच बन कर बैठ जाती है। जैसे उसके पास और कोई काम ही नहीं हो। अनुच्छेद 370 हो या वक्फ विधेयक, इसका संसद से पारित होना लोकतंत्र में एक उदाहरण की तरह दर्ज होना चाहिए था, उसे सुप्रीम कोर्ट दुनिया के सामने ऐसे पेश कर रही है कि जैसे मुसलमानों की अकेली हित-धारक सुप्रीम कोर्ट ही है।

जबकि पूरा देश जानता है कि वक्फ संशोधन विधेयक को संसद में पेश किए जाने के बाद इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष भेजा गया था। इसमें शामिल पक्ष-विपक्ष के 21 लोकसभा और 10 राज्यसभा सांसदों ने 36 बैठकें कीं। इतना ही नहीं, 10 शहरों में जाकर जमीनी स्थिति भी देखी गई। कुल 284 हितधारकों से उनके सुझाव लिए गए। 25 राज्यों के वक्फ बोर्डों के प्रतिनिधियों से सुझाव लिए गए। लोकसभा में 12 घंटे की चर्चा के बाद रात के 2 बजे बिल पारित कराया गया। जिसे एक उदाहरण के रूप में लिया जाना चाहिए था, न्यायपालिका उसकी छीछालेदर करने में लगी है। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट उन सारी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और उनमें शामिल जन-प्रतिनिधियों को तुच्छ मानती है और खुद को सर्वश्रेष्ठ।

काशी-मथुरा से लेकर हिंदुओं से जुड़े तमाम विषयों पर विभिन्न अदालतों में हिंदुओं का पक्ष रखने वाले अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने सुप्रीम कोर्ट के इस बेजा दोहरे रवैये पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड को लेकर जब वो सुप्रीम कोर्ट में याचिका लेकर गए थे तब उनसे पूछा गया था कि सीधे सुप्रीम कोर्ट क्यों आ गए, हाईकोर्ट क्यों नहीं गए, उन्हें पहले हाईकोर्ट जाना चाहिए था। जैन ने बताया कि 7 साल से अतदि महत्वपूर्ण सामाजिक मसलों से जुड़ी 140 से अधिक याचिकाओं को लेकर वे अलग-अलग अदालतों में संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन आज तक उनमें कोई अंतरिम राहत नहीं मिली। और वक्फ कानून के खिलाफ फौरन याचिकाएं स्वीकार कर ली जाती हैं?

विष्णु शंकर जैन ने पूछा कि आखिर क्या कारण है कि एक पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाता है तो तुरंत उसकी याचिका स्वीकार कर ली जाती है और पुचकार कर अंतरिम राहत देने की बात भी की जाती है, जबकि दूसरे पक्ष के लिए यह व्यवहार लागू नहीं होता। अधिवक्ता ने कहा कि पिछले 13 वर्षों से 4 राज्यों में एंडोमेंट एक्ट के जरिए मंदिरों पर कब्जा किए जाने के विरुद्ध सुनवाई चल रही है, हाल ही में फैसला भी आया है जिसमें सारे मुद्दों को हाईकोर्ट में भेज दिया गया है। विष्णु शंकर जैन ने कहा कि ये सारे सवाल वक्फ मामले में क्यों नहीं किए जा रहे हैं?

गुश्नार 17 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू होने से पहले विष्णु शंकर जैन ने मीडिया के समक्ष ये सवाल पूछे थे। उन्होंने सलाह दी थी कि सारे मामलों को एक हाईकोर्ट में भेजकर एक संवैधानिक पीठ बनाई जाए और इसकी सुनवाई हो। वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन का सवाल जायज है। आखिर एआईएमआईएम, अमानतुल्लाह खान, जमीयत और कई विपक्षी राजनीतिक दलों की याचिकाएं सीधे सुप्रीम कोर्ट में कैसे स्वीकार कर ली जाती हैं? जबकि हिंदुओं को अयोध्या से लेकर काशी-मथुरा तक के लिए जिले की कचहरियों से होकर गुजरना पड़ता

है और सदियों लग जाते हैं।

अबतक वक्फ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने लगातार दो दिन सुनवाई की है। जबकि आप देखिए, काशी में ज्ञानवापी के सर्वे में भी निकला कि ये हिंदू मंदिर था। उसकी दीवारें चीख-चीख कर कहती हैं कि ये मंदिर है। क्या वहां किसी प्रकार की रोक लगाई गई? क्या मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर को ध्वस्त करके बने शाही इंदगाह मस्जिद के संबंध में ऐसा कोई निर्णय आया? मध्य प्रदेश स्थित भोजशाला मंदिर को लेकर कोई स्टे आया? मुस्लिमों को नहीं भी नहीं रोका गया, फिर बार-बार मोदी सरकार के कानूनों पर स्टे क्यों?

गांव के गांव को वक्फ सम्पत्ति बताकर छीन लिया गया। तमिलनाडु में तिरुचेंदुराई गांव में 1500 वर्ष पुराने मंदिर को वक्फ ने अपना बता दिया। डेढ़ हजार वर्ष पूर्व इस्लाम था ही नहीं। हाल ही में तमिलनाडु के वेल्लोर स्थित कडुकुल्लै गांव में 150 परिवारों की कृषि वाली भूमि को दरगाह की जमीन बताकर वक्फ ने नोटिस थमा दिया। यह सुप्रीम कोर्ट को क्यों नहीं दिखता? सुप्रीम कोर्ट के इस रवैये के पीछे कोई संदेहास्पद मसला है, जिसकी बेहद सूक्ष्मता से पड़ताल होनी चाहिए।

राष्ट्रपति को...

उनके पास एक कार्ययोजना होगी, जिस पर मिशन मोड में काम किया जाएगा। किसी भी कीमत पर हिंसा के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी।

गौरतलब है कि संसद से पारित हुए वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के दौरान बंगाल में कई जगहों पर हिंसा हुई। हिंसा पीड़ित सैकड़ों परिवार झारखंड के पाकुड़ जिले में चले गए हैं। कई परिवारों ने मालदा में स्थापित राहत शिविरों में शरण ली है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने केंद्रीय बलों को तैनात करने का आदेश दिया था। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुछ समय के लिए केंद्रीय सुरक्षा बल मुर्शिदाबाद में तैनात रहेंगे। अदालत पीड़ितों के पुनर्वास की निगरानी भी करेगी। मामले में जारी राजनीतिक बयानबाजी को लेकर भी कोर्ट ने सख्ती दिखाई है।

गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद जिले के कई इलाकों में वक्फ कानून के विरोध में बीती 11-12 अप्रैल को हिंसा भड़क गई थी। ये हिंसा सुती, धुलियान और जंगीपुर इलाकों में हुई। इस हिंसा में तीन लोगों की मौत हुई और कई अन्य घायल हुए। धुलियान के मंदिरपाड़ा इलाके में कथित तौर पर कई महिलाओं का उत्पीड़न किया गया। हिंसा के चलते मुर्शिदाबाद में बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ। हिंसा की जांच के लिए नौ सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया है। इस एसआईटी की अध्यक्षता डीआईजी मुर्शिदाबाद रेंज करेंगे। गठित की गई एसआईटी में एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (खुफिया शाखा), दो उपधीक्षक एक काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स (सीआईएफ) से और दूसरा आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) से पांच निरीक्षक (सीआईडी से चार और ट्रैफिक पुलिस से एक सहित), और सुंदरबन पुलिस जिले के तहत साइबर अपराध पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी शामिल हैं।

मुर्शिदाबाद में इस्लामी हिंसा के कारण 400 से भी अधिक हिंदुओं को पलायन करना पड़ा। देवी-देवताओं की मूर्तियां गढ़ने वाले हरगोविंद दास और उनके बेटे चंदन दास की घर में घुसकर हत्या कर दी गई।

अधिवक्ता को पीड़ितों से मिलने व बात करने की भी अनुमति है मिली है। प्रियंका टिबेरवाल ने बताया कि हाईकोर्ट जांच की निगरानी करेगा। साथ ही केंद्रीय बलों को वहां फ़िलहाल तैनात रखने के लिए कहा गया है। उधर कलकत्ता हाईकोर्ट ने भारतीय जनता युवा मोर्चा को सेव बंगाली हिंदू रैली निकालने की अनुमति दे दी है। शनिवार 19 अप्रैल को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के घर और भवानीपुर स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के घर तक रैली निकाली जाएगी।

वक्फ के अवैध...

सरकार इस मामले में आगे की जांच भी कर रही है और जिले की तीनों तहसीलों में जांच टीमों को तैनात कर दिया गया है। अफसरों ने बताया है कि वेरिफिकेशन के बाद और ज्यादा जमीन को सरकार के कब्जे में लाकर इसे सरकारी सम्पत्ति के रूप में रजिस्टर किया जाएगा। बताया होगा कि केंद्र सरकार के द्वारा बनाए गए वक्फ कानून के तहत वक्फ की सम्पत्तियों का बेहतर प्रबंधन करने और इसके लिए जिला मजिस्ट्रेट को और ज्यादा अधिकार देने के कई प्रावधान किए गए हैं।

कौशांबी डीएम मधुसूदन हुल्ल्गी ने बताया कि जिले में कुल 98.95 हेक्टेयर भूमि वक्फ बोर्ड के नाम पर दर्ज है। जिसमें अब तक 93 बीघा वक्फ सम्पत्ति (जमीन) को सरकारी खाते में दर्ज कराया गया है। जांच में पाया गया है कि वक्फ बोर्ड के नाम से पहले या भूमि ग्राम समाज के खाते में दर्ज थी। अभी इस जमीन को सरकारी खाते में दर्ज कराया गया है, प्रशासन ने आधिकारिक रूप से इसे अपने कब्जे में नहीं लिया है। इस बीच जिले की तीनों तहसीलों में जांच टीम गठित कर दी गई है। ग्राम समाज की खतौनी को भी चेक कराया जा रहा है। ज्यादातर वक्फ सम्पत्ति पर कब्रिस्तान और मदरसे बने हुए हैं। वक्फ सम्पत्ति से पहले ग्राम समाज के खाते में कुछ भूमि दर्ज थी।

उधर, वक्फ बिल में संशोधन होने के बाद मेरठ में भी वक्फ से जुड़ी प्रॉपर्टियों की स्थिति को लेकर हलचल तेज है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मोहम्मद रहेल आलम ने बताया कि अब तक के रिकॉर्ड के अनुसार जिले में सुन्नी वक्फ बोर्ड की 2661 और शिया वक्फ बोर्ड की 81 सम्पत्तियां चिन्हित हैं। उन्होंने कहा कि यदि इनमें से कोई भी प्रॉपर्टी गवर्नमेंट जमीन के

रूप में चिन्हित होती है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कौशांबी जिले के अलग-अलग हिस्सों में पड़ी 98.95 हेक्टेयर सरकारी भूमि पर वक्फ बोर्ड का कब्जा मिला है। 413 गाटों में बटी इस भूमि पर कहीं कब्रिस्तान है तो कहीं मदरसा संचालित हो रहा है। सर्वे के बाद प्रशासन ने अपनी रिपोर्ट शासन को भेज दी थी। चिह्नित भूमि कब्जा मुक्त कराने के लिए प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का इंतजार है। शासन के निर्देश पर डीएम मधुसूदन हुल्ल्गी ने तीनों तहसीलों में टीम गठित कर वक्फ के अधिकार वाली सम्पत्तियों की जांच कराई। अब तक हुई जांच में तीनों तहसील क्षेत्र में 98.95 हेक्टेयर भूमि ऐसी मिली, जो वक्फ बोर्ड के कब्जे में है। अगल-अलग 413 गाटों में विभक्त ये भूमि खतौनी में कब्रस्तान, मदरसा, ग्राम समाज आदि के नाम पर दर्ज है। लेकिन, वक्फ बोर्ड इन्हें अपनी सम्पत्ति बता रहा है। भूमि चिह्नित कर जिला प्रशासन ने रिपोर्ट शासन को भेज दी है। अब आगे की कार्रवाई के लिए शासकीय फरमान का इंतजार है।

जिले के सिराथू तहसील में 29.70 हेक्टेयर जमीन, मंझनपुर में 23.25 हेक्टेयर जमीन और चायल में 46.00 हेक्टेयर यानि कुल 98.95 हेक्टेयर जमीन पर वक्फ बोर्ड ने कब्जा कर रखा है। चायल में सर्वाधिक 46 हेक्टेयर भूमि वक्फ के कब्जे में है। मंझनपुर तहसील में सबसे कम 23.25 हेक्टेयर भूमि पर कब्जा है। वहीं, सिराथू तहसील में 29.70 हेक्टेयर भूमि पर वक्फ बोर्ड का अवैध कब्जा मिला है। सिराथू तहसील के कड़ा धाम क्षेत्र में पिछले दिनों वक्फ बोर्ड की 93 बीघा जमीन कब्जा मुक्त कराई गई। यह जमीन अब ग्राम समाज के सरकारी खाते में दर्ज कर दी गई है। नगर पंचायत प्रशासन अब इसे औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना बना रहा है। चेयरमैन रागिनी केसरवानी ने बताया कि भूमि का सही इस्तेमाल हो, इसके लिए नगर पंचायत की ओर से कार्ययोजना तैयार की जा रही है। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्ल्गी ने बताया कि कौशांबी जिले में 413 सरकारी जमीनों पर शिया और सुन्नी वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियां मिली हैं। इनमें ज्यादातर जमीनों पर इंदगाह, कब्रिस्तान, दरगाह, करबला इत्यादि हैं। शासन के निर्देश पर तहसीलवार सर्वे कराकर रिपोर्ट भेज दी गई है। अब आगे की कार्रवाई शासन अथवा सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार की जाएगी।

भगवद गीता ...

यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल किया जाना हमारी शाश्वत बुद्धिमत्ता और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता है। गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है। उनकी अंतरदृष्टि दुनिया को प्रेरित करती रहती है। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, भारत की सभ्यतागत विरासत के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया है। यह वैश्विक सम्मान भारत के शाश्वत ज्ञान और कलात्मक प्रतिभा का जश्र मनाता है। भगवद गीता एक प्रतिष्ठित धर्मग्रंथ और आध्यात्मिक मार्गदर्शक है। नाट्यशास्त्र, प्रदर्शन कलाओं पर एक प्राचीन ग्रंथ है। यह लंबे समय से भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रमुख स्तंभ है। उन्होंने कहा कि ये कालातीत रचनाएं साहित्यिक खजाने से कहीं अधिक हैं। वे दार्शनिक और सौंदर्यवादी आधार हैं जिन्होंने भारत के विश्व दृष्टिकोण और हमारे सोचने, महसूस करने, जीने और अभिव्यक्त करने के तरीके को आकार दिया है। इसके साथ ही अब हमारे देश के 14 अभिलेख इस अंतरराष्ट्रीय रजिस्टर में शामिल हो गए हैं।

17 अप्रैल को यूनेस्को ने अपने मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में 74 नए दस्तावेजी विरासत संग्रह जोड़े। इससे कुल अंकित संग्रहों की संख्या 570 हो गयी। इस रजिस्टर में 72 देशों और चार अंतरराष्ट्रीय संगठनों की वैज्ञानिक क्रांति, इतिहास में महिलाओं का योगदान तथा बहुपक्षवाद की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रविष्टियां शामिल की गईं। यूनेस्को का मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर विश्व के कई महत्वपूर्ण दस्तावेज धरोहरों की सूची है। इसमें दस्तावेजी धरोहरों को अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समिति की सिफारिश और कार्यकारी बोर्ड की स्वीकृति से चुना जाता है। इस सूची में शामिल होना दस्तावेजी धरोहर के वैश्विक महत्व और सर्वकालिक मूल्य को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करता है। इससे शोध, शिक्षा, मनोरंजन और संरक्षण को बढ़ावा मिलता है।दूसरी तरफ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में साझेदारी को आगे बढ़ाने के मसले पर टेक्सा के प्रमुख एलन मस्क से लंबी वार्ता की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इस वर्ष की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषयों सहित विभिन्न मुद्दों पर एलन मस्क के साथ चर्चा हुई। हमने प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर बात की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अल्पसंख्यकों की ...

पड़ोसी देश को भारत के मामलों में अनुचित टिप्पणी करने के बजाय बांग्लादेश में रहने वाले अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत और बांग्लादेश संबंधों से जुड़े एक सवाल पर कहा था

कि, भारत बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की उम्मीद करता है। हम एक लोकतांत्रिक, समावेशी बांग्लादेश के पक्ष में हैं। बता दें कि तलख होते रिश्तों के कारण पिछले सप्ताह भारत ने बांग्लादेश को मध्य पूर्व, यूरोप और अन्य देशों के लिए अपने बंदरगाहों और हवाई अड्डों के माध्यम से दी जाने वाली ट्रांसशिपमेंट सुविधा वापस लेने की घोषणा की थी।

भारत सुरक्षा ...

यह विचार सभी के लिए और संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों के लिए प्रतिनिधित्वपूर्ण है। अलबनई ने कहा कि यदि यह निर्णय लिया जाता है कि परिषद के सदस्यों की संख्या 21 से बढ़ाकर 27 की जाएगी, तो निश्चित रूप से भारत इसमें दावेदार होगा और व्यापक सदस्यता के निर्णय के अधीन होगा। सुधार की राह जटिल है, लेकिन हम आगे बढ़ने की दिशा में स्थिर और सार्थक कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1965 में निर्वाचित सदस्यों की संख्या में वृद्धि के अलावा सुरक्षा परिषद का पहला दौर 80 वर्षों से अधिक समय तक चला है। सुधार के बाद परिषद जो भी रूप ले, उसे अगली सदी तक टिकने के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए, जो समावेशिता, पारदर्शिता, दक्षता, प्रभावशीलता, लोकतंत्र और जवाबदेही के सिद्धांतों पर आधारित हो।

विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कितने सदस्य होने चाहिए, इसके जवाब में संयुक्त राष्ट्र में कुवैत के स्थायी प्रतिनिधि अलबनई ने कहा कि इस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं हुआ है, लेकिन जो संख्या बताई जा रही है वह 21 से 27 सदस्य देशों के बीच है। उन्होंने कहा कि भारत का रुख हमेशा से ही टेक्स्ट-आधारित वार्ता की ओर जल्द से जल्द बढ़ने का रहा है। अलबनई ने कहा कि वे इस सत्र में सदस्य देशों द्वारा दिखाई गई गति से उत्साहित हैं। सुधार की भावना के लिए साहस और रचनात्मकता दोनों की आवश्यकता होती है, और सभी प्रतिनिधिमंडलों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है क्योंकि हम सुरक्षा परिषद सुधार के मुख्य तत्वों पर आम सहमति बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

अलबनई ने कहा कि वह यह नहीं बता सकते कि यह सुधार 2030 तक होगा या किसी अन्य वर्ष में। मैं इस बात को लेकर बहुत सकारात्मक हूं कि जो भी बाधाएं हैं, उन्हें तोड़ दिया जाना चाहिए, क्योंकि लोग समझ रहे हैं कि हमें कुछ अलग करने की जरूरत है और सदस्य देश यह समझ रहे हैं कि शांति और सुरक्षा, विकास और मानवाधिकारों सहित सभी मुद्दों से निपटने के लिए विश्व समुदाय के पास यही सहारा है। हम सभी एक बेहतर संयुक्त राष्ट्र बनाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। सुरक्षा परिषद में सुधार की प्रक्रिया इक्का एक अभिन्न अंग है।

इसी सप्ताह संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, पी. हरीश ने जी-4 देशों ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत की ओर से एक बयान में आईजीएन की बैठक में कहा कि मौजूदा संयुक्त राष्ट्र संरचना एक अलग युग की है, जो अब अस्तित्व में नहीं है तथा वर्तमान भू-राजनीतिक वास्तविकताएं इस संरचना की समीक्षा की मांग करती हैं। हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद की सदस्यता को वर्तमान 15 से बढ़ाकर 25 या 26 करने की जरूरत है। संशोधित परिषद में 11 स्थायी सदस्य और 14 या 15 अस्थायी सदस्य होने चाहिए।

ईडी ने 661...

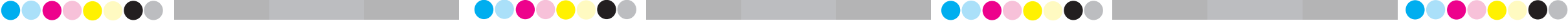
सरकारी खजाने में चली जाएंगी। सूत्रों के अनुसार, एजेएल की बैलेंस शीट की जांच में यह भी पता चला है कि कंपनी को 2023 तक अपनी विभिन्न सम्पत्तियों से 142.67 करोड़ रुपए का किराया मिला है। अतीत में प्राप्त किराये का उपयोग मुख्य रूप से वाणिज्यिक स्थलों के विकास में किया गया है, विशेष रूप से मुंबई में ताकि व्यापारिक संभावनाओं का पूरा दोहन किया जा सके।

समझा जाता है कि दोनों शीर्ष कांग्रेस नेताओं ने पार्टी के कानूनी रुख को दोहराया कि यंग इंडियन कंपनी अधिनियम के तहत धारा-25 के तहत एक इकाई है और इसलिए इसके जरिये कोई वाणिज्यिक गतिविधि नहीं हो सकती और न ही शेयरधारकों को कोई व्यक्तिगत लाभ हो सकता है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी 38-38 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ यंग इंडियन के बहुसंख्यक शेयरधारक हैं।

आरोपपत्र में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी (78) को आरोपी नंबर एक और उनके बेटे राहुल गांधी (54) को आरोपी नंबर दो के रूप में नामित किया गया है। इसके अलावा पांच अन्य का नाम भी आरोपी नंबर एक के रूप में दर्ज है।

एजेंसी ने आरोपपत्र में कांग्रेस नेता पवन बंसल और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों को भी संलग्न किया है। इसमें एजेएल-वाईआई और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की घटनाओं का वर्णन किया गया है, ताकि यह साबित हो सके कि वाईआई के लाभकारी मालिकों (सोनिया गांधी और राहुल गांधी) द्वारा एजेएल की अंतर्निहित परिसम्पत्तियों को अवैध रूप से प्राप्त करने के लिए एक साजिश रची गई थी। एजेएल नेशनल हेराल्ड न्यूज प्लेटफार्म (समाचार पत्र और वेब पोर्टल) का प्रकाशक है और इसका स्वामित्व यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के पास है।

कांग्रेस ने आरोपपत्र की आलोचना करते हुए आरोप लगाया है कि उसके नेताओं के खिलाफ ईडी की कार्रवाई निरंकुश सरकार की घबराहट और नैतिक दिवालिपापन को दर्शाती है, जो जनता के मुद्दों और चल रहे आर्थिक संकट से ध्यान हटाना चाहती है।



भगवान राम ने वनवास में की थी रामगिरि शक्तिपीठ की पूजा



हिंदू धर्म में देवी सती को समर्पित शक्तिपीठों की विशेष मान्यता है। माना जाता है कि जो भी भक्त इस सभी शक्तिपीठों के दर्शन कर लेता है, उसे जीवन के सभी कष्टों से मुक्ति मिल जाती है। उत्तर प्रदेश में स्थित एक ऐसे शक्तिपीठ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका संबंध भगवान राम से माना गया है। चलिए जानते हैं उस खास शक्तिपीठ के बारे में।

इसलिए कहलाता है रामगिरि शक्तिपीठ
वाल्मीकि रामायण में वर्णन मिलता है कि

भक्तों के सभी कष्ट हरती हैं देवी

भगवान राम समेत माता सीता और लक्ष्मण जी ने अपने वनवास के दौरान साढ़े ग्यारह वर्ष उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में बिताए थे। चित्रकूट में ही वह शक्तिपीठ स्थापित है, जिसे लेकर यह माना जाता है कि वनवास के दौरान इस स्थान पर भगवान राम ने पूजा-अर्चना अर्चना की थी। ऐसे में भगवान राम की भक्ति के कारण यह शक्तिपीठ

रामगिरि शक्तिपीठ के नाम से भी प्रचलित है। कुछ लोग मध्य प्रदेश के मैहर में शारदा देवी मंदिर को शक्ति पीठ मानते हैं, तो वहीं कुछ लोग उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में स्थित शारदा मंदिर को शक्ति पीठ मानते हैं। इसे लेकर कई मतभेद मिलते हैं।

क्या है मान्यता
माना जाता है कि उत्तर प्रदेश में मंदाकिनी नदी

के पास मां सती का दायां स्तन गिरा था, जिसे शिव पुराण में शिवानी शक्ति पीठ के रूप में जाना जाता है। चित्रकूट के मंदाकिनी नदी किनारे एमपी क्षेत्र के नया गांव में एक बहुत सुंदर मंदिर स्थापित है। यहां देवी को शिवानी रूप में पूजा जाता है, वहीं भैरव देव को चंड कहते हैं। यह स्थान बहुत ही पवित्र माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि यहां दर्शन करने से साधक को को अपनी विपत्तियों से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही भक्तों की सभी मनोकामनाएं भी पूर्ण होती हैं।

जल्दी दिल हार बैठते हैं 6 तारीख पर जन्मे लोग, नहीं होती पैसों की कोई कमी!



अंक ज्योतिष शास्त्र में 01 से 9 तक मूलांक माने गए हैं, जो व्यक्ति की जन्मतिथि के आधार पर ज्ञात किए जाते हैं। किसी व्यक्ति की जन्म की तारीख की संख्या को आपस में जोड़कर जो संख्या प्राप्त होती है, वहीं उस व्यक्ति का मूलांक होता है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी व्यक्ति का जन्म किसी महीने की 21 तारीख को हुआ है, तो उसका मूलांक 8 होगा, क्योंकि 2 और 1 को आपस में जोड़ने पर 3 प्राप्त होता है।

मिलती है शुक्र देव की कृपा
आज हम बात कर रहे हैं मूलांक 6 की। अंक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिस व्यक्ति का जन्म किसी महीने की 6, 15 या फिर 24 तारीख को हुआ होता है, उसका मूलांक 6 होता है। इस मूलांक के स्वामी शुक्र ग्रह माने गए हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र देव धन, वैभव, सौंदर्य, प्रेम और कला के कारक हैं।

कैसा होता है स्वभाव
मूलांक 6 के जातक जल्दी ही गुल-मिल जाते हैं और इनका व्यक्तित्व भी

काफी आकर्षक होता है। अपनी इस खासियत के कारण ये लोग जल्दी ही दोस्त बना लेते हैं। ये लोग अपनी मेहनत से बहुत धन कमाते हैं और भौतिक सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण होते हैं।

इसी के साथ ये लोग काफी विश्वसनीय, उदार और शांति प्रिय भी होते हैं। वहीं इन जातकों के दिल जल्दी ही किसी पर आ जाता है, जिस कारण यह काफी बार धोखा भी खाते हैं। दिलफेंक होने कारण इस मूलांक को काफी बार मुसीबतों का सामना भी करना पड़ता है।

कैसा होता है प्रेम संबंध
मूलांक 6 के जातकों के विवाह या प्रेम संबंध की बात की जाए, तो ये लोग अपने पार्टनर को खुश रखने की पूरी कोशिश करते हैं।

इस मूलांक के जातक काफी रोमांटिक किस्म के होते हैं। आमतौर इनका गृहस्थ जीवन खुशहाल बीतता है, लेकिन कभी-कभी इन्हें वैवाहिक जीवन में कुछ कष्टों का भी सामना करना पड़ता है।

इन शुभ योग में मनाई जाएगी सीता नवमी जानें पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

सीता नवमी का हिन्दू धर्म में बड़ा महत्व है। यह दिन माता सीता के प्राकट्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन माता सीता का धरती पर अवतरण हुआ था। यह पर्व हर साल वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को आता है और इसे जानकी जयंती के नाम से भी जाना जाता है। वहीं, इस दिन कई शुभ योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है।

शुभ योग – सीता नवमी पर कई शुभ योगों का अद्भुत संयोग बन रहा है, जो इस पर्व की महिमा को और भी बढ़ा रहे हैं। इस दिन रवि योग दोपहर 2 बजकर 1 मिनट से अगले दिन सुबह 05 बजकर 36 मिनट तक रहेगा। अभिजित मुहूर्त सुबह 11 बजकर 51 मिनट से दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। विजय मुहूर्त दोपहर 02 बजकर 32 मिनट से 03 बजकर 25 मिनट तक रहेगा।

सीता नवमी पूजा समय
सीता नवमी के दिन पूजा करने का शुभ समय सुबह 10 बजकर 58 मिनट से दोपहर 1 बजकर 38 मिनट तक रहेगा।

रहेगा।
मध्याह्न पूजा मुहूर्त – 5 मई 2025 को सुबह 10 बजकर 58 मिनट से दोपहर 01 बजकर 38 मिनट तक रहेगा।
कब है सीता नवमी?
हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख माह



शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 5 मई को सुबह 7 बजकर 35 मिनट पर शुरू होगी। वहीं तिथि का समापन अगले दिन यानी 6 मई को सुबह 8 बजकर 38 मिनट पर होगा। पंचांग गणना के आधार पर इस साल सीता नवमी का व्रत 5 मई को रखा जाएगा।

पूजा मंत्र
श्री सीतायै नमः॥

ॐ श्री सीता रामाय नमः॥
सीता नवमी पूजा विधि
सीता नवमी के दिन सुबह उठकर स्नान करें। साप कपड़े पहनें। पूजा स्थल को गंगाजल से शुद्ध करें और एक वेदी पर लाल रंग का वस्त्र बिछाएं। माता सीता और भगवान राम की प्रतिमा

स्थापित करें। उन्हें फूल, फल, धूप, दीप और फल-मिठाई अर्पित करें। सीता चालीसा व जानकी स्तोत्र का पाठ करें। भगवान राम और माता सीता के वैदिक मंत्रों का जाप करें। अंत में आरती करें। इसके बाद पूजा में हुई गलतियों के लिए माफी मांगें।

सीता नवमी का महत्व
सीता नवमी का व्रत सुहागन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन व्रत रखने से पति की दीर्घायु और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन माता जानकी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख-शांति आती है। ऐसे में इस दिन देवी की विधिपूर्वक आराधना करें। इसके साथ ही तामसिक चीजों से दूर रहें।



आखिर क्यों भगवान श्रीराम को जीवन भर संघर्षों का करने पड़ा था सामना?

धार्मिक मान्यता के अनुसार, रोजाना भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना और प्रिय भोग लगाने से साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में सफलता के रास्ते खुलते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। राम जी गुणों के कारण आदर्श पुरुष माने जाते हैं।

भगवान श्रीराम ने अपने जीवन के दौरान कई तरह की समस्या का सामना किया, जैसे- 14 साल का वनवास, मां सीता का हरण, मातृ और पितृ वियोग, लंकापति रावण से युद्ध आदि हैं। लेकिन आप जानते हैं कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम को जीवन में इन संघर्ष का सामना क्यों करना पड़ा था।

इस प्रकार थी राम जी की कुंडली
राम जी की कुंडली में कई शुभ और अशुभ योग हैं, जिसका प्रभाव उनके जीवन पर पड़ा और जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ा।

नौमी तिथि मधुमास पुनीता। सुकल पच्छ अभिजित हरिप्रीता॥
मध्यदिवस अति सीत न घामा। पावन काल लोक विश्रामा॥
आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भगवान श्रीराम की कुंडली का वर्णन रामचरितमानस के बालकांड में देखने को मिलता है। इस दोहे में प्रभु के जन्म के समय के बारे में बताया गया है। इस दोहे का अर्थ यह है कि राम जी का जन्म चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर हुआ था। उनका जन्म कर्क लग्न में अभिजित मुहूर्त के दौरान हुआ था। प्रभु की कुंडली में उच्च का मंगल सप्तम भाव में है, जो मांगलिक दोष प्रदर्शित करता है। इसी वजह से राम जी को वैवाहिक जीवन में कई समस्या का सामना करना पड़ा। नीच गुरु होने की वजह से भगवान श्रीराम को सीता जी से वियोग मिला था। राम जी की कुंडली में शनि ग्रह मातृ में हैं और आत्मा, पिता एवं यश के कारक सूर्य देव पितृ भाव में हैं। ऐसा माना जाता है कि सूर्य और शनि देव के रिशते मधुर नहीं होते हैं, जिसकी वजह से राम ने अपने माता-पिता से वियोग का सामना किया।

वरुथिनी एकादशी पर गलती से भी न खाएं चावल, मिल सकते हैं बुरे परिणाम

वरुथिनी एकादशी का हिन्दू धर्म में बहुत ज्यादा महत्व है। यह वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को आती है। यह व्रत भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। इस उपवास का पालन करने से भक्तों को पुण्य और मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं, इस दिन को लेकर कुछ प्रमुख नियम बनाए गए हैं, जिनमें से एक प्रमुख नियम चावल का सेवन न करना भी है, तो आइए इसके पीछे के नियम के बारे में जानते हैं।

वरुथिनी एकादशी का धार्मिक महत्व
वरुथिनी एकादशी का व्रत करने से मनुष्य को सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, इस व्रत के प्रभाव से व्यक्ति को कन्यादान के बराबर पुण्य फल प्राप्त होता है। यह व्रत दुख और दरिद्रता को दूर करने वाला माना गया है और इसके प्रभाव से व्यक्ति को मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है।



एकादशी पर क्यों नहीं खाते हैं चावल?
धार्मिक मान्यता

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एकादशी के दिन चावल खाना पाप माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन चावल का सेवन करने से व्यक्ति

को रेंगने वाले जीव के रूप में जन्म लेना पड़ता है। इसलिए, इस दिन चावल से परहेज करना जरूरी है ताकि व्रत का पूर्ण फल प्राप्त हो सके और किसी भी नकारात्मक परिणाम से बचा जा सके।

व्रत के नियम –वरुथिनी एकादशी का व्रत दशमी

तिथि की रात्रि से ही शुरू हो जाता है। इस दिन तामसिक भोजन जैसे – मांस, मदिरा, प्याज और लहसुन का सेवन नहीं करना चाहिए। एकादशी के दिन सुबह उठकर स्नान करें और भगवान विष्णु की विधिपूर्वक पूजा करें। पूरे दिन निजलां या फलहार पर व्रत करें। शाम को भगवान विष्णु की आरती करें। द्वादशी के दिन ब्राह्मणों को भोजन कराएं और दान-दक्षिणा दें। इसके बाद ही व्रत का पारण करें।

गलती से चावल खाने पर क्या करें
अगर वरुथिनी एकादशी के दिन गलती से आपने चावल खा लिया है, तो इसका नकारात्मक प्रभाव कम करने के लिए तुरंत भगवान विष्णु से अपनी भूल के लिए क्षमा याचना करें और क्षमका के अनुसार दान-पुण्य करें। इसके बाद एकादशी का व्रत पूरी श्रद्धा और विधि-विधान से करें। ऐसा करने से इसके अशुभ प्रभाव को आसानी से कम किया जा सकता है।

शिवलिंग जलाभिषेक के समय किस दिशा में होना चाहिए आपका मुख, ध्यान रखें ये नियम

माना जाता है कि शिवलिंग पर जल चढ़ाने मात्र से महादेव प्रसन्न हो जाते हैं। लेकिन आपको जल चढ़ाने से संबंधित कुछ नियम भी जरूर ध्यान रखने चाहिए, ताकि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके। ऐसे में चलिए जानते हैं कि किसी दिशा में खड़े होकर शिवलिंग पर जल चढ़ाना चाहिए और इस दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

दिशा का रखें ध्यान
शास्त्रों के अनुसार, व्यक्ति को शिवलिंग पर इस तरह से जल चढ़ाना चाहिए, कि उसका मुख उत्तर दिशा की ओर हो। इस बात का खासतौर से ध्यान रखें कि जल चढ़ाते समय आपका मुख पश्चिम या फिर दक्षिण दिशा की ओर नहीं होना चाहिए। जलाभिषेक के दौरान ओम नमः शिवाय मंत्र का जप भी करते रहें। इससे भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं।

जलाभिषेक के नियम
शिवलिंग अभिषेक के लिए हमेशा गंगाजल या फिर साफ पानी का ही इस्तेमाल करें। जलाभिषेक के लिए हमेशा तांबे, पीतल या फिर चांदी के लोटे का इस्तेमाल करना चाहिए। जल



इस तरह अर्पित करें कि उसकी जलधरा पतली और धीमी गति से शिवलिंग पर गिरे। सीधे खड़े होकर शिव जी का जलाभिषेक नहीं करना चाहिए। आप बैठकर या झुककर शिवलिंग का जलाभिषेक कर सकते हैं।

न करें ये गलतियां
हमेशा स्नान करने और स्वच्छ कपड़े पहनने के बाद ही शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए। भूल से भी शिवलिंग पर गंदा जल अर्पित न करें, वरना भोलेनाथ नाराज हो सकते हैं। साथ ही जल चढ़ाते समय आपके मन में किसी तरह के नकारात्मक नहीं आने चाहिए। शांत और श्रद्धाभाव से शिवलिंग पर जल अर्पित करना चाहिए

और इस दौरान शिव जी का ध्यान करना चाहिए।

बोलें ये मंत्र
ॐ नमः शिवाय।
ॐ तत्सुखाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्
ॐ अघोराय नमः ।
ॐ शर्वाय नमः ।
ॐ विरूपाक्षाय नमः ।
ॐ विश्वरूपिणे नमः ।
ॐ त्र्यम्बकाय नमः ।
ॐ कर्पटिने नमः ।
ॐ भैरवाय नमः ।
ॐ शूलपाणये नमः ।
ॐ ईशानाय नमः ।
ॐ महेश्वराय नमः ।
ॐ ऊर्ध्वं भू फट् ।
ॐ नमः शिवाय ।
ॐ ह्रीं हौं नमः शिवाय ।
ॐ नमो भगवते दक्षिणामूर्तये महं मेधा प्रयच्छ स्वाहा ।
ॐ इं क्षं मं औं अं ।
ॐ प्रौ ह्रीं ठः ।
ॐ नमो नीलकण्ठाय ।
ॐ पार्वतीपतये नमः ।
ॐ पशुपतये नमः ।

प्रदोष व्रत के दिन करें महादेव के इस स्तोत्र का पाठ, खुलेंगे सफलता के रास्ते

सनातन धर्म में शिव परिवार की विशेष पूजा-अर्चना करने के लिए त्रयोदशी तिथि को शुभ माना जाता है, क्योंकि इस दिन प्रदोष व्रत किया जाता है। प्रदोष व्रत के शुभ अवसर पर महादेव और मां पार्वती की पूजा-अर्चना संध्याकाल में करने का विधान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, प्रदोष व्रत करने से साधक को जीवन में सभी डर से छुटकारा मिलता है।

अगर आप प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो प्रदोष व्रत के दिन शिव जी की पूजा करें और सच्चे मन से शिव तांडव स्तोत्र का पाठ करें। धार्मिक मत है कि शिव तांडव स्तोत्र का पाठ करने से महादेव प्रसन्न होते हैं और सभी भय से छुटकारा मिलता है। साथ ही सफलता के रास्ते खुलते हैं। आइए पढ़ते हैं शिव तांडव स्तोत्र।

प्रदोष व्रत 2025 डेट और शुभ मुहूर्त
वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 25 अप्रैल को सुबह 11 बजकर 44 मिनट से होगी और 26 अप्रैल को सुबह 8 बजकर 27 मिनट पर तिथि खत्म होगी। इस प्रकार 25 अप्रैल को शुक्र प्रदोष व्रत किया जाएगा। इस दिन महादेव की पूजा करने से समय शाम 6 बजकर 33 मिनट से 9 बजकर 3 मिनट तक है।

भगवान शंकर के तीसरे नेत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

भगवान शिव की पूजा का सनातन धर्म में बहुत ज्यादा महत्व है। उन्हें त्रिलोचन के नाम से भी जाना जाता है, जो शक्ति और ज्ञान का प्रतीक हैं। शंकर जी के तीसरे नेत्र की उत्पत्ति को लेकर कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। महादेव के तीसरे नेत्र की उत्पत्ति का वर्णन शिव पुराण में भी मिलता है,

पहली कथा – प्रचलित पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव जब सती के वियोग में तपस्या में लीन थे, तब देवताओं को तारकासुर नाम का असुर बहुत परेशान कर रहा था। तब ब्रह्माजी ने बताया था कि तारकासुर का वध केवल शिव के पुत्र द्वारा ही संभव है। देवताओं ने शिव और पार्वती के विवाह के लिए कामदेव को उनकी तपस्या भंग करने के लिए भेजा। कामदेव ने अपने पुष्प बाणों से शिव के ध्यान को भंग करने का प्रयास किया।

क्रोधित होकर भगवान शंकर ने अपनी आंखें खोल दीं और उनके ललाट से एक प्रचंड अग्नि ज्वाला निकली। इस ज्वाला ने कामदेव को भस्म कर दिया। ऐसा माना जाता है कि यही अग्नि ज्वाला भगवान शिव का तीसरा नेत्र बनी।

दूसरी कथा – एक अन्य मान्यता के अनुसार, भगवान शिव का तीसरा नेत्र ऊर्जा का प्रतीक है। यह नेत्र भूत, वर्तमान और भविष्य को एक साथ



देखने की क्षमता रखता है। कथा के अनुसार, जब भगवान शिव ने सृष्टि के रहस्यों और समय के चक्र को गहराई से अनुभव किया, तो उनके ज्ञान और अंतर्दृष्टि के प्रतीक के रूप में उनके माथे पर तीसरा नेत्र प्रकट हुआ। कहते हैं कि यह नेत्र अहंकार, अज्ञानता और भ्रम के अंधकार को दूर करने वाली ज्ञान की ज्योति है।

तीसरे नेत्र का महत्व
भगवान शिव के तीसरे नेत्र का बड़ा महत्व है। यह एक अंग नहीं है, बल्कि यह उनकी शक्तियों का प्रतिनिधित्व करता है। इसके साथ ही यह भो-लेनाथ के ज्ञान, विवेक, और सत्य की पहचान का प्रतीक है। यह नकारात्मकता और बुराई को नष्ट करने की क्षमता रखता है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से, तीसरा नेत्र अंतर्ज्ञान और उच्च चेतना का केंद्र माना जाता है, जिसे जागृत करने से व्यक्ति दिव्य ज्ञान और सत्य का अनुभव कर सकता है।

सीरियल में सास, घर में बीवी!

अभिनेता ने ऑनस्क्रीन सासू मां संग रचाई शादी



ते लुगू सिने एक्टर इंद्रनील और मेघना रामी एक बार फिर अजीबोगरीब कारणों से चर्चा में हैं। हाल ही में कुछ जगहों पर खबरें देखी गई कि तेलुगू टेलीविजन स्टार ने अपनी सास से शादी की है। कई लोगों ने इसकी सत्यता की जांच किए बिना ही तीखे कमेंट किए। दरअसल, इंद्रनील ने मेघना से शादी की है, जो अब 44 साल की हैं। इस कपल की शादी को लगभग 20 साल हो चुके हैं और वे तीन बच्चों के पेरेंट्स हैं। यह भी एक फैक्ट है कि इंद्रनील और मेघना दोनों ही सीरियल्स में एक साथ नजर आ चुके हैं, जिनमें से एक में मेघना ने उनकी सास का रोल किया था। मेघना की इंद्रनील से पहली मुलाकात 2003 में एक पुराने टेली सीरियल 'चक्रवाक' के सेट पर हुई थी। दोनों में अच्छी दोस्ती हो गई और जल्द ही इंद्रनील ने एक प्रपोजल के साथ पहला कदम उठाया। उम्र के बड़े अंतर को देखते हुए मेघना ने 'इनकार' कर दिया। इससे उम्मीदें टूट गईं लेकिन इंद्रनील हार मानने को तैयार नहीं थे। एक इंटरव्यू में मेघना ने खुलासा किया कि इंद्रनील ने उन्हें कुल नौ बार प्रपोज किया, बावजूद इसके कि उन्हें लगातार मना किया जाता था। मेघना ने कहा— कुछ लोग मेरी शक्ल और तेज आवाज को हल्के में लेते हैं

और मानते हैं कि मैं घर में एक कुलमाता हूं, यहां तक कि अपने पति के साथ भी मैं अपनी शर्तें तय करती हूं। लेकिन ऐसा नहीं है। हमारी शादी के शुरुआती दिनों में एक शो के सेट पर मिसकेरेज के बाद, मैं 6 साल से ज़्यादा समय तक उदास रही। मैंने अपने करियर के चरम पर काम करना बंद कर दिया। मैं सिर्फ जागने, खाने और सोने के अलावा कुछ नहीं करती थी।

मुझे प्रेग्नेसी, काम, इंडस्ट्री से नफरत होने लगी। मैं बहुत ज्यादा आइसक्रीम और बिरयानी खाती थी। मैं मोटी हो गई हूं, 'मोटी और बदसूरत' जैसा कि कुछ लोग मुझे कहना चाहते हैं, लेकिन एक बार भी मेरे पति ने मुझसे इस बारे में सवाल नहीं किया था। मुझे काम करने या ऐसा कुछ करने के लिए मजबूर नहीं किया जो मुझे पसंद न हो। 'एक बार एक टीवी शो में इंद्रनील ने दो इच्छाएं रखीं— बच्चे गोद लेना और वजन कम करना। मैं पहली इच्छा तो पूरी नहीं कर सकी, लेकिन मैंने वादा किया कि मैं नैचुरली वजन कम करूंगी।' लेकिन मिसकेरेज के बाद मेघना ने तय किया कि वो अब मां नहीं बनना चाहती हैं और वो ये भी सोचती हैं कि 60 की उम्र तक पहुंचने-पहुंचने उन बच्चों की देखभाल कौन करेगा।



प्रभुदेवा ने मैसूर में मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया!



जै से पेड़ कितना भी ऊंचा हो जाए, उसकी जड़ें जमीन में ही रहती हैं, वैसे ही एक्टर प्रभुदेवा अपनी मां की इच्छा पूरी करने के लिए दूर के शहर से मैसूर के छोटे से गांव में आकर भगवान की सेवा में जुट गए। जी हां, उन्होंने अपने खर्च पर खस्ताहाल मंदिर का जीर्णोद्धार किया है। कई भाषाओं की फिल्मों में एक्टिंग कर चुके एक्टर प्रभुदेवा ने अपनी मां की इच्छा के अनुसार मैसूर जिले के नंजनागुड तालुका के केंबालु गांव में मंदिर का जीर्णोद्धार किया है। उन्होंने इस मंदिर के जीर्णोद्धार पर लगभग 25 लाख रुपये खर्च किए हैं।

25 लाख खर्च कर मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है बता दें कि प्रभुदेवा की मां ने कुछ समय पहले केंबालु गांव में जमीन खरीदी थी। इस जमीन के पास स्थित जोलर काल के मलैमहादेव मंदिर की हालत बहुत खराब थी। उनकी मां ने प्रभुदेवा से इस मंदिर का जीर्णोद्धार करने की इच्छा जताई थी। लगभग 25 लाख रुपये खर्च कर मलैमहादेव मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है। पूजा के लिए यहां प्रभुदेवा पहुंचे बता दें कि मंदिर का जीर्णोद्धार

पूरा होने के बाद अभिनेता प्रभुदेवा और उनकी पत्नी हिमानी ने मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस पूजा के लिए वे दो दिन तक मंदिर में ही रुके और कलश पूजा, हवन, नवग्रह पूजा में भाग लिया। गांव में मंदिर का जीर्णोद्धार करने की खुशी में पूरे केंबालु और आसपास के गांव वालों के लिए भोजन की व्यवस्था प्रभुदेवा के परिवार ने की थी।

इस बारे में प्रतिक्रिया देते हुए प्रभुदेवा की मां ने कहा, कई साल पहले हमने यहां जमीन खरीदी थी। 1983 में ही यहां का मंदिर खस्ताहाल था। तब हमें लगा था कि इस मंदिर का जीर्णोद्धार करना चाहिए। हमने उस समय मंदिर का कुछ हिस्सा बनवाया था। लेकिन अब प्रभुदेवा ने आखिरकार मंदिर का गोपुरा बनवाकर इसे पूरा किया है। इसलिए हमने हवन करवाया। यह हमारे बच्चे के जन्म का उत्सव था, इसलिए प्रभुदेवा और उनकी पत्नी ने हवन में भाग लिया। मंदिर के निर्माण में कितना खर्च हुआ, यह मायने नहीं रखता, भगवान ने हमें दिया है, हमने वही दिया है। व्यस्त होने के बावजूद भगवान ने प्रभुदेवा को यहां बुला लिया, यह हमारी खुशी है।

फिल्म केसरी चैप्टर 2 में खूंखार जनरल डायर का रोल निभा रहे हैं ब्रिटिश अभिनेता साइमन पैस्ले डे



अक्षय कुमार और आर माधवन की फिल्म 'केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग' की सिनेमाघरों में जोरदार शुरुआत हुई है। गुड फ्राइडे के मौके पर रिलीज हुई इस कोर्टरूम पीरियड ड्रामा की खूब तारीफ हो रही है। फिल्म एडवोकेट सी. शंकरन नायर की कहानी पर आधारित है, जिन्होंने 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद न्याय की मांग करते हुए ब्रिटिश हुकूमत को कठघरे में घसीटा था। इस फिल्म में जहां अक्षय और माधवन के एक्टिंग को खूब सराहना मिल रही है, वहीं ब्रिटिश साम्राज्य के ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड डायर के क्रूर रोल को निभा रहे साइमन पैस्ले डे के भी दर्शक मुग्ध हो रहे हैं।

'केसरी 2' में साइमन पैस्ले डे ने अपने खूंखार अंदाज, नृशंस हत्या के बाद भी अहम से भरे हुए व्यक्तित्व को बूझबी निभाया है। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि साइमन पैस्ले डे एक मंझे हुए और दिग्गज ब्रिटिश एक्टर हैं, जिनका थिएटर से लेकर टीवी और यहां तक कि रेडियो पर भी बड़ा नाम है। साइमन पैस्ले डे हॉलीवुड फिल्म 'स्टार वार्स: द राइज ऑफ स्काईवाकर' में भी नजर आ चुके हैं।

इंग्लैंड में 13 अप्रैल 1967 को पैदा हुए साइमन 58 साल के हैं। अपने तीस साल से भी अधिक लंबे करियर में उन्होंने थिएटर, रेडियो ड्रामा, टेलीविजन

शोज और फिल्मों में खूब नाम कमाया है। साइमन पैस्ले डे अपने करियर की शुरुआत में, ऑस्कर वाइल्ड, विलियम शेक्सपियर, जॉन बुकान और ब्रूस नॉरिस जैसे प्रसिद्ध लेखकों के उपन्यास और नाटकों का मंचन किया है। साइमन ने अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत बीबीसी के पॉपुलर शो 'रेड डुआर्क' से की थी। इसके बाद वह 'डॉक्टर हू', 'द लास्ट डिटेक्टिव' और 'द मस्किटर्स' जैसी सुपरहिट टीवी सीरीज से पॉपुलैरिटी बटोरी। जल्ल की दुनिया में आपने साइमन पैस्ले डे को नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'द क्राउन' और बेनेडिक्ट कंबरबैच की 'शरलॉक' में देखा होगा। साइमन पैस्ले डे के फिल्मी करियर की शुरुआत 2004 में 'चर्चिल: द हॉलीवुड इयर्स' से हुई। वह 'स्टार वार्स: द राइज ऑफ स्काईवाकर', 'विकटोरिया एंड अब्दुल' और 'ब्रेक्सिट: द अनसिल्वल वॉर' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं।

'केसरी चैप्टर 2' साइमन पैस्ले डे की पहली हॉलीवुड फिल्म है। उन्होंने फिल्म में जनरल डायर की भूमिका निभाई है, जिसने अमृतसर के जलियांवाला बाग में भीड़ पर गोली चलाने का आदेश दिया था। अप्रैल 1919 में बैसाखी के त्यौहार के दौरान लोग रॉलेट एक्ट का विरोध करने जलियांवाला बाग पहुंचे थे। करण सिंह त्यागी के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 'द केस दैट शुक द एम्पायर' किताब पर आधारित है।

निजी जिंदगी से जुड़ी अफवाहें मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती : रहमान

सूजिक कंपोजर, सिंगर एआर रहमान, अपने म्यूजिक कंसर्ट 'वंडरमेंट' की तैयारी में व्यस्त हैं। इस बीच, उन्होंने समाचार एजेंस के साथ बात की। इस दौरान, उन्होंने बताया कि निजी जिंदगी से जुड़ी अफवाहें मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं। इंटरव्यू में एआर रहमान ने 'वंडरमेंट' टूर की तैयारी, संगीत में एआई के इस्तेमाल, अफवाहों और मानसिक स्थिति पर पड़ने वाले असर को लेकर खुलकर बात की। जब उनसे पूछा गया कि, संगीत के लिए मन की प्रसन्नता की आवश्यकता होती है, तो क्या आपके बारे में चलने वाली खबरें और अफवाहें आपको प्रभावित करती हैं?

रहमान ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि अफवाहें असर डालती हैं और हर कलाकार इस स्थिति से गुजरता है। अफवाहें मानसिक

स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं। कठिन परिस्थितियों में फंसे होने की वजह से वे दुखी और प्रभावित होते हैं और उस स्थिति में भी उन्हें काम करना पड़ता है। उस स्थिति में भी उन्हें 'छैया छैया' या 'हम्मा हम्मा' जैसे गाने करने पड़ते हैं। गायक हो या कोई और उस स्थिति में आप एक अभिनेता की तरह बन जाते जाते हैं। आप अंदर से भले ही दुखी होते हैं, लेकिन आपको दिखाना होता है कि आप खुश हैं। एआर रहमान को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुआ था, जिसमें सामने आया था कि रहमान बैंड की गिटारिस्ट रहीं मोहिनी डे के साथ रिलेशन में हैं। इस अफवाह से व्यथित रहमान ने एक बयान जारी किया था। उन्होंने नोटिस भी जारी किया था, जिसमें उन्होंने अपने बारे में अपमानजनक खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात कही थी।

रहमान से जब पूछा गया कि जब उनके बारे में कुछ अफवाहें सामने आती हैं तो उन्हें कैसा लगता है? इस पर उन्होंने हल्के अंदाज में कहा, ऐसी बातों से असर पड़ता है, लेकिन मेरा मानना है कि यह जिंदगी का एक हिस्सा है। उतार-चढ़ाव जिंदगी में बने रहते हैं। रहमान ने अपने स्वास्थ्य के बारे में भी बात की और अपने प्रशंसकों के साथ एक मैसेज शेयर किया था, जिसमें उन्होंने कहा, आप सभी के प्यार के लिए धन्यवाद। आप सभी को चिंता में डालने के लिए खेद है। मैं आप सभी की प्रार्थनाओं और प्यार की वजह से स्वस्थ हूं। डीवाई पाटिल स्टेडियम में आपसे जल्द मिलूंगा। मार्च में एआर रहमान के सीने में दर्द की शिकायत हुई थी। इस वजह से उन्हें चेन्नई के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब रहमान ने अपने प्रशंसकों के शुक्रिया अदा किया था।



सामंथा रुथ प्रभु को ऋतिक रोशन से ज्यादा हैंडसम लगते हैं नागा चैतन्य



बाँलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन को अक्सर उनके लुक के कारण 'ग्रीक गॉड' कहा जाता है। इसी वजह से वे महिलाओं के बीच काफी फेमस हैं। हालांकि, एक इंटरव्यू में सामंथा रुथ प्रभु ने खुलासा किया था कि उन्हें ऋतिक का लुक पसंद नहीं आया और उन्हें उनके पूर्व पति नागा चैतन्य उनसे बेहतर लगे। सामंथा ने कई सारे एक्टर्स को नंबर देकर जज किया था। एक रैंडिट यूजर ने इंटरव्यू से एक क्लिप शेयर की जिसमें सामंथा रुथ प्रभु से एक्टर्स को उनके लुक के आधार पर रेट करने के लिए कहा गया था। उन्होंने महेश बाबू को 10/10 रेटिंग दी और कहा, 'मुझे सोचने की जरूरत ही नहीं है।' जब रिपोर्टर ने उसे ऋतिक को रेटिंग देने के लिए कहा, तो उन्होंने जवाब दिया, 'हर

कोई मुझे मार डालेगा, लेकिन मुझे ऋतिक का लुक ज्यादा पसंद नहीं है' और उन्हें 7/10 दिया। उन्होंने नागा चैतन्य को 10/10 और रणबीर कपूर को 8/10 रेटिंग दी। शाहिद कपूर के बारे में पूछे जाने पर सामंथा ने कहा, 'कमीने से पहले शाहिद - 5/10, कमीने के बाद - 9/10।' जो लोग नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि सामंथा और नागा चैतन्य की पहली मुलाकात 2010 की तेलुगू फिल्म 'ये माया चेसावे' के सेट पर हुई थी। हालांकि, 2014 में ऑटोनेगर सूर्या की शूटिंग के दौरान कथित तौर पर दोनों एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए थे।



उन्होंने 2017 में शादी कर ली, लेकिन सिर्फ चार साल बाद ही उन्होंने अलग होने की घोषणा कर दी। 2023 में, चैतन्य ने खुलासा किया कि उन्होंने उन्हें तलाक दे दिया है। सामंथा फिलहाल अपनी आगामी सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड: द ब्लडी किंगडम' की शूटिंग कर रही हैं। राज और डीके के डायरेक्शन में बने इस शो को खूनी एक्शन और एंटरटेनर कहा जा रहा है। उनके पास मनोज बाजपेयी, जयदीप अहलावत, प्रियमणि और शाहिब हाशमी के साथ 'द फैमिली मैन सीजन 3' भी है। इस सीरीज के इस साल नवंबर में रिलीज होने की उम्मीद है।

अनुराग कश्यप ने फिल्म फुले को लेकर बवाल कर रहे ब्राह्मण समुदाय पर साधा निशाना



फिल्ममेकर और एक्टर अनुराग कश्यप इस वक्त अनंत महादेवन की जीवनी पर आधारित फिल्म फुले को लेकर कान्ट्रोवर्सी में घिरे हैं। दरअसल इस फिल्म को मिल रही आलोचनाओं से पेशान अनुराग कश्यप ने केवल सेंसर बोर्ड को ही नहीं बल्कि ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ भी नफरत से भरा कमेंट कर डाला है।

फिल्ममेकर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है जिसमें 'फुले' को लेकर चल रहे जातिवाद वाले हंगामे के खिलाफ अपनी बात रखी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए देश में आज भी जातिवाद की मौजूदगी को लेकर एक बड़ा और बेबाक सवाल किया है। उन्होंने इस पोस्ट में महाराष्ट्रियन ब्राह्मण समूहों द्वारा नाराजगी और अनंत महादेवन निर्देशित फुले की रिलीज में देरी पर अपनी निराशा जताई। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज

पर लिखा, मेरी जिंदगी का पहला नाटक ज्योतिबा और सावित्रीबाई फुले पर था। भाई अगर जातिवाद नहीं होता इस देश में तो उनको क्या जरूरत थी लड़ने की। अब ये ब्राह्मण लोगों को शर्म आ रही है या वो शर्म में मरे जा रहे हैं या फिर एक अलग (वैकल्पिक) ब्राह्मण भारत में जी रहे हैं जो हम देख रहे हैं, जिसे हम समझ नहीं पा रहे हैं। कृपया कोई समझाइए— यहां असली मूर्ख कौन है?

इतना ही नहीं, अनुराग ने सीबीएफसी और उनके पास भेजी गई फिल्म के समूहों तक पहुंचने के तरीके पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, मेरा सवाल ये है कि जब फिल्म सेंसरशिप के लिए जाती है तो बोर्ड में चार सदस्य होते हैं। आखिर समूहों और विंग्स को फिल्मों तक पहुंच कैसे मिलती है, जब तक कि उन्हें इसकी अनुमति न दी जाए? पूरी बकवास प्रणाली ही धांधली वाली है।

सीएम नीतीश कुमार ने महिला संवाद का किया शुभारंभ 60 दिन में 70 हजार जगहों पर होगा कार्यक्रम

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिला संवाद अभियान की शुरुआत कर दी है। ग्रामीण विकास विभाग के इस कार्यक्रम के जरिए राज्य सरकार ने दो करोड़ महिलाओं तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। सीएम नीतीश कुमार ने इसके लिए 40 प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर बिहार के सभी 38 जिलों के लिए रवाना किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री विजय चौधरी और श्रवण कुमार समेत कई वरीय अधिकारी मौजूद रहे। शुक्रवार को राज्य के 600 जगहों पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर यह कार्यक्रम काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 60 दिनों तक चलने



वाले इस कार्यक्रम का आयोजन 70 हजार जगहों पर होगा। इसके सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। गर्मी को देखते हुए सरकार ने महिला संवाद सुबह और शाम में करने का फैसला लिया है।

राज्य सरकार की ओर से

बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य नीतीश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को महिलाओं को अवगत कराना है। कार्यक्रमों में राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए

चलाए जा रहे कार्यक्रम एवं योजनाओं के बारे में बताया जाएगा। साथ ही कार्यक्रमों में महिलाएं खुलकर अपनी, अपने गांव एवं टोले की समस्याओं और आकांक्षाओं को खुलकर रख सकेंगी। राज्य सरकार ने महिला

सशक्तिकरण की दिशा में क्रियान्वित योजनाओं, कार्यों और ग्रामीण क्षेत्रों में आए सकारात्मक बदलाव पर विस्तृत चर्चा किए जाने तथा सरकार के स्तर पर योजनाओं के सूत्रण एवं नीति निर्धारण में महिलाओं की आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से समाहित करने के लिए महिला संवाद कार्यक्रम आयोजन किया है।

दरअसल, सीएम नीतीश कुमार पिछले साल ही महिला संवाद यात्रा पर जाने वाले थे लेकिन किसी कारणवश यह यात्रा टल गई। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार प्रगति यात्रा पर निकले और महिला संवाद यात्रा बाद में आयोजन होने की बात कही गई। महिला संवाद यात्रा को लेकर बिहार में खूब सियासत हुई थी।

सीएम नीतीश की यात्रा पर राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद ने आपत्तिजनक बयान दिया था, जिससे सियासत काफ गर्मा गई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि वह नयन सुख के लिए जा रहे हैं। नयन सेंकने के लिए वह यात्रा पर जा रहे हैं। 2025 के विधानसभा चुनाव 225 सीटें जीतने के सीएम नीतीश के दावे के सवाल पर लालू प्रसाद ने कहा कि वह पहले वो अपनी आंख सेंक लें तब यह सब दावे करें। वह आंख सेंकने ही जा रहे हैं। लालू यादव ने जो कहा, उसपर नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के साथ सहयोगी भारतीय जनता पार्टी ने भी उन्हें कसकर घेर लिया है। भाजपा ने उनकी दिमागी हालत पर सवाल उठाया है तो जदयू ने उनकी सोच को निकृष्ट बताया है।

बेतिया (एजेंसियां)।

बिहार के बेतिया में अपराधियों ने प्रॉपर्टी डीलर को गोली मार दी है। गोली लगने के बाद उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है, और गंभीर स्थिति में उनका इलाज चल रहा है। घटना जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित वृद्धा आश्रम के पास की है।



स्थल पर गिर गए और अपराधी फरार हो गए।

घटना के बाद घटना स्थल पर सैकड़ों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इधर, स्थानीय लोगों की मदद से घायल प्रॉपर्टी डीलर को इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया ले जाया गया। जहां पर उनकी स्थिति नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया है।

वहीं, घटना स्थल पर पहुंचकर पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। इधर, ग्रामीण दबे जुबान पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि, घटना के बाद पुलिस वाहन जांच तेज कर दी है।

इंडिया गठबंधन में सीएम फेस होंगे तेजस्वी यादव : सांसद मनोज झा

पटना (एजेंसियां)।

इंडिया गठबंधन में मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा? इस पर लालू प्रसाद यादव की पार्टी ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा ने प्रेस वार्ता के दौरान इस सवाल का जवाब भी दे दिया। उन्होंने कहा कि जैसे सूर्य का पूर्व दिशा में उगना विश्वव्यापी सत्य है। ठीक उसी तरह तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री फेस होना भी सत्य है। उनके इस बयान ने महागठबंधन में राजद का स्टैंड क्लियर कर दिया। मनोज झा ने राष्ट्रीय जनता दल पर हमला बोलते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय बेंच ने वक्फ संशोधन विधेयक पर जो पहलकदमी करते हुए दिशा दी है ये एक बेहतर और सकारात्मक कदम है। केन्द्र सरकार ने 05 मई के सुनवाई होने तक अंडरटेकिंग दी है कि कोई भी बदलाव नहीं किया जायेगा। लालू प्रसाद जी बीमार रहते हुए भी उनकी जो इस मामले पर जो चिंता

थी वह स्पष्ट रूप से दिखी। यह लड़ाई मुसलमानों की नहीं बल्कि साझी विरासत को बचाने और देशवासियों के पहचान को मजबूत करने की लड़ाई है तभी तो सदन के अन्दर सभी विपक्षी सदस्यों ने इस मामले पर अपनी बातें मजबूती से रखी और उनमें अधिकतर सदस्य हिन्दू थे क्योंकि ये लड़ाई देश और देश के संविधान को बचाने के लिए मिलकर रखने की थी और इस पर सभी ने मजबूती से बातें रखी।

मनोज झा ने आगे कहा कि बिहार में जो सर्वे का काम हो रहा है उसमें बहुतों के पास कागजात नहीं है लेकिन सरकार सर्वे कराकर उस जमीन पर अपनी निगाह टिकाए हुए है। नीतीश कुमार इस तरह से जानते हुए भी साझी विरासत और असंवैधानिक कार्य पर चुपठी साधे हुए हैं, ये चिंता का विषय है। ऐसा लगता है कि सरकार में बने रहने के लिए जनता दल यू ने भाजपा के विचारों से समझौता कर लिया है।

दरअसल इंडिया गठबंधन ने

बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर एक दिन पहले यानी गुरुवार को बैठक की थी। बैठक में सारी चीजों स्पष्ट तो कर दी गई लेकिन दो अहम सवाल का जवाब नहीं दिए गए। इनमें पहला मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार और दूसरा सीट बंटवारा। नेता प्रतिपक्ष ने इस सवाल को कांग्रेस के पाले में फेंक दिया। कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लुवरू ने तेजस्वी यादव को समन्वय समिति का अध्यक्ष बताया लेकिन सीएम फेस वाले सवाल को टाल दिया। इसके बाद सियासी घमासान तेज हो गया। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने महागठबंधन में टूट की बात कहते हुए विपक्ष जमकर हमला बोला था। केंद्रीय मंत्री जितन राम मांझी ने तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी यादव को समन्वय समिति का अध्यक्ष जरूर बनाया गया है, लेकिन उन्हें नेता नहीं माना गया है। उनके बीच कभी एकता नहीं बन सकती। तेजस्वी यादव को वह लोग कभी मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करेंगे।

पटना समेत 25 जिलों में तेज हवा के साथ बारिश और वज्रपात का अलर्ट

वैशाली में पेड़ गिरने से एक की मौत

पटना (एजेंसियां)।

बिहार का मौसम आज फिर से बदला हुआ है। कई जिलों में मध्यम दर्जे के बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना, नालंदा, वैशाली, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, गोपालगंज, सारण, सीवान, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, भागलपुर, बांका, मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया, सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, अररिया, पूर्णिया, कटिहार समेत कई जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। हवा मौसम विभाग ने कहा कि इन जिलों में मध्यम दर्जे की मेघ गर्जन, वज्रपात, और बारिश के आसार हैं। इन जिलों में हवा की गति 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार चलने के



आसार हैं।

पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, उत्तर और पूर्वी बिहार में बारिश और वज्रपात का प्रभाव है। गुरुवार शाम से पटना समेत कई इलाकों में तेज हवा चल रही थी। मध्य रात्रि कई इलाकों में आंधी और हल्की बारिश हुई। आज सुबह होते पटना समेत कई

इलाकों में बारिश हुई। 21 अप्रैल से बिहार का मौसम शुष्क हो जाएगा। इसके बाद तापमान में भी बढोतरी होगी।

पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बारिश और वज्रपात को लेकर मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम

में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें। वहीं मौसम विभाग ने लोगों से अपील कि है कि खराब मौसम के दौरान अपने

पशुधन और खुद को बाहर निकलने से बचें। मेघगर्जन के दौरान पेड़-पौधे के नीचे शरण न लें। बारिश के समय सुरक्षित स्थान पर जाकर बैठ जाएं।

वैशाली के नगर थाना क्षेत्र के अंदरकिला के गांधी नगर में ब्रह्म स्थान के समीप विशाल पिपल का पेड़ गिरने एक शख्स की मौत हो गई। पेड़ गिरने की आवाज सुनने के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों की सूचना पर पुलिस भी पहुंची। इसके बाद पुलिस लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला। परिजनों का कहना है कि 45 वर्षीय पुत्र अरविंद कुमार उर्फ गोपाल साहनी अपने घर में सोया हुआ था। आज अहले सुबह करीब चार बजे तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान सूखा हुआ पीपल का पेड़ घर पर ही गिर गया। इसकी चपेट में आने से गोपाल सहनी की मौत हो गई।

मृतक पहुंचा कोर्ट में, जज के सामने बोला-

कुछ लोग मेरा अपहरण कर नेपाल ले गए थे

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा जिले में मब्बी थाना क्षेत्र के सिमरा निहालपुर गांव का जगदेवराम का मृत भोलाराम शुक्रवार को अचानक से दरभंगा व्यवहार न्यायालय में उपस्थित होकर अपने जिंदा होने का सबूत पेश किया। बता दें कि भोलाराम के डीएमसीएच में इलाज के दौरान हुई मौत के सड़क जाम हंगामे के बाद मब्बी थानाध्यक्ष दीपक कुमार को निर्लंबित कर दिया गया था।

अब न्यायालय में युवक भोलाराम के उपस्थित होने के बाद कई सवाल उठ रहे हैं कि आखिर जिस युवक को डीएमसीएच में पहचान के मृतक के भाई धीरजराय ने भोलाराम होने का दावा किया था, वह कौन और किसका बेटा था? अगर वह भोला राम नहीं था तो परिजनों ने कैसे उसे भोला के रूप में पहचान कर उसका इलाज कराया। इतना ही नहीं उसके मौत के बाद परिजन हंगामा भी किए थे। न्यायालय के सामने भोलाराम ने बताया कि उसे ललित नारायण मिथिला विश्विद्यालय के नागेंद्र झा स्टैडियम से कुछ लोगों ने उसके मुंह पर



रूमाल रखकर बेहोश कर दिया था। उसे जब होश आया तो वह अपने आप को नेपाल में पाया था। वह मौका पाकर परिजनों को बहुत बड़ा व्हाट्सएप कॉलिंग किया करता था। लेकिन परिजन उसे हमेशा कॉल को काट दिया करते थे। बीते एक दो दिन पहले परिजनों ने इसके नंबर से आ रहे व्हाट्सएप कॉल को उठाया तो उसने घटना की पूरी जानकारी परिजनों को दी। परिजनों ने नेपाल जाकर साथ भारत लाया। परिजनों के साथ अपने घर आते ही उसने न्यायालय में उपस्थिति दर्ज कराई है।

भोलाराम के लापता होने की पहली जानकारी परिजनों ने मब्बी थाना को आठ फरवरी को दी थी। उसके बाद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस दौरान 26 फरवरी को दोनार अललपट्टी रेलवे ट्रैक के पास कुछ युवकों को एक दोनों हाथ और पैर कटा हुआ युवक मिला था, जिसे युवकों द्वारा इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती करवाया गया था।

इसकी पहचान परिजनों ने अस्पताल में जाकर भोलाराम के रूप में की थी। दो दिनों तक इलाज भी कराया था। लेकिन अगले दिन उसकी मौत हो जाने के बाद

परिजनों ने शिवधारा आजमनगर सड़क को जाम कर हंगामा किया था। इस हंगामे के बाद एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने कार्रवाई करते हुए मब्बी थानाध्यक्ष दीपक कुमार को निर्लंबित कर दिया था। अब युवक जिंदा बरामद होने के बाद कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। यह चर्चा का विषय भी बना हुआ है।

दरभंगा में मब्बी थाना क्षेत्र के सिमरा नेहालपुर गांव के भोलाराम हत्या मामले में गुरुवार को एक नाटकीय मोड़ सामने आई है। मब्बी थाना कांड संख्या-22/25 का सूचक जगदेव राम का पुत्र धीरज कुमार ने अपने कथित मृतक भाई को साथ लेकर विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी की अदालत में आवेदन समर्पित किया है, जिसका भाई भोला कुमार राम जिंदा है, जिसे पुलिस ने मृत घोषित कर दिया था।

सूचक ने आगे कहा कि 28 फरवरी 2025 को पुलिस ने उसे फोन कर डीएमसीएच बुलाया और चेहरा विकृत अज्ञात शव को मुझसे जबर्न पहचान कराया और एक मार्च 25 को शव सुपुर्द कर दिया। शव की आयु 20-25 वर्ष

थी। जबकि सूचक के भाई की उम्र 16-17 वर्ष है। सूचक ने अपने आवेदन में अंकित किया है कि उसके मोबाइल पर करते हुए मब्बी थानाध्यक्ष दीपक कुमार को निर्लंबित कर दिया था। अब युवक जिंदा बरामद होने के बाद कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। यह चर्चा का विषय भी बना हुआ है।

केस के अनुसंधानक ने कथित मृतक भोलाराम को अभिरक्षा में लेकर कोर्ट में प्रस्तुत किया तथा कोर्ट से जिवित भोला का बीएनएसएस की धारा-183 के तहत बयान अंकित करने की याचना किया। स्पेशल जज शैलेंद्र कुमार ने 183 बीएनएसएस के तहत बयान दर्ज करने के लिए सीजेएम को निर्देशित किया। जहां उसका बयान दर्ज किया गया। कुमार की अदालत ने जीवित भोला को उचित पहचान पर उसके माता पिता को सौंप देने का आदेश पारित किया है।

देबवा बनाने लगे।

लेकिन दूल्हे ने शादी करने से मना कर दिया। इतने में किसी ने इसकी सूचना स्थानीय नकारदेई थाना को दे दिया तो मौके पर पहुंची थाना ने दोनों पक्षों को बैठा कर विवाद को सुलझा दिया, तब जबर्न रोक लिया और शादी करने का

शिक्षक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

जहानाबाद (एजेंसियां)।

जहानाबाद जिले से एक बड़ा ही सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। जहां एक बीपीएससी शिक्षक का शव बंद घर में पाया गया। मिली जानकारी के अनुसार, परसबिगाहा थाना क्षेत्र के ग्राम करौता निवासी अभिषेक कुमार शिक्षक को जहानाबाद के गांधी मैदान के पास खेल भवन के पीछे किराए के मकान में रहता था, जो शुक्रवार सुबह बंद कमरे में आत्महत्या कर लिया।

बताया जाता है कि सुबह करीब दो बजे शिक्षक पत्नी से पानी पीकर दूसरे रूम में सोने चला गया।सुबह जब पत्नी घर साफ करने गई तो आंख दृश्य देख फटी की फटी रह गई। दृश्य देख चिल्ला उठी तो और लोग आए हुए हैं। शिक्षक को जहानाबाद के गांधी मैदान के पास खेल भवन के पीछे किराए के मकान में रहता था, जो शुक्रवार सुबह बंद कमरे में आत्महत्या कर लिया।

लेकिन आत्महत्या करने का और क्या मामला है, जो जांच के बाद ही पता चल सकेगा। वहीं, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शिक्षक काफी कर्ज़ में डूबे रहने के कारण भी बताया जाता है



और परिजनों से अलग जहानाबाद में किराए के मकान में रह रहा था। मामला जो कुछ भी हो, फिलहाल पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु ले गई। वहीं, परिजनों में चित्का मच गया है, सभी का रो-रो कर बुरा हाल बना हुआ है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुट गई है।

घटना को लेकर मृतक के चाचा ने बताया कि शिक्षक नौकरी लगने के बाद वह पश्चिमी गांधी मैदान में अपनी पत्नी और एक छोटी बेटी के साथ किराए के मकान में रहता था। उसका पोस्टिंग सदर प्रखंड के उच्चमि विद्यालय गोनवां में था। लेकिन विभाग द्वारा उस पर प्रेशर बनाकर ऑफिस के कार्य में लगाया जाता था। विभागीय प्रेशर के कारण वह काफी तनाव में रहता था, जिस कारण उसने अपने किराए के मकान में अहले सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।